वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष:5 अंक: 267 बुधवार 18 फरवरी 2026 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

केन्द्रीय कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री एवं मुख्यमंत्री ने जयपुर से भारत विस्तार का किया शुभारंभ

राजस्थान कृषि क्षेत्र के नवाचारों से देश को दिखा रहा नई दिशा: शिवराज

कार्यक्रम में किसानों ने 155261 नम्बर डायल कर भारत विस्तार के माध्यम से किया संवाद

जयपुर. कासं। केन्द्रीय कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि भारत विस्तार के माध्यम से कृषि में डिजीटल क्रांति का शंखनाद हुआ है। इस प्लेटफॉर्म से अन्नदाता किसानों को एआई आधारित प्रणाली में सही समय पर उनकी खेती से जुड़ी विविध जानकारियां त्वरित मिल सकेगी। उन्होंने कहा कि गुलाबी नगरी जयपुर से पूरे देशभर में शुरू हुए इस एआई आधारित नवाचार से किसानों को एकीकृत डिजीटल प्लेटफॉर्म पर समग्र कृषि सेवाएं प्रदान की जाएगी जिससे कृषि क्षेत्र में पारदर्शिता को बल मिलेगा एवं किसान सशक्त तथा आत्मनिर्भर बनेंगे। चौहान मंगलवार को दुर्गापुरा स्थित राज्य कृषि प्रबंधन संस्थान में आयोजित भारत विस्तार के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत विस्तार के माध्यम से किसानों को रियल टाइम मंडी मूल्य, भारतीय कृषि शोध संस्थान की कृषि पद्धतियां, केन्द्र की कृषि संबंधी जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी, फसल आधारित वैज्ञानिक परामर्श, मौसम पूर्वानुमान, कृषि ऋण, सरकारी योजनाओं की पात्रता, आवेदन सहित तमाम जानकारियां एक ही प्लेटफॉर्म पर आसानी से मिल पाएगी। वर्तमान में यह हिन्दी एवं अंग्रेजी भाषा में शुरू किया गया है तथा भविष्य में यह 11 अन्य भारतीय भाषाओं में भी शुरू होगा। साथ ही, आगामी समय में इस प्लेटफॉर्म को एग्रीस्टैक से भी जोड़ा जाएगा जिसके तहत किसान अपनी फार्मर आई.डी. के माध्यम से अपने खेत से जुड़ी सभी समस्याओं का समाधान तुरंत प्राप्त कर सकेंगे। केन्द्रीय कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में किसानों के कल्याण के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। एमएसपी पर रिकॉर्ड खरीद की गई है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, कृषि का विविधीकरण, प्राकृतिक खेती की तरफ बढ़ना, इंटीग्रेटेड फार्मिंग, किसानों को खेती के साथ पशुपालन एवं कृषि वानिकी के लिए प्रोत्साहन सहित अनेक ऐसे निर्णय लिए गए हैं जिससे देश का अन्नदाता लाभान्वित हो रहा है। चौहान ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सराहना करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में राजस्थान में कृषि क्षेत्र में नए-नए प्रयोग किए जा रहे हैं। साथ ही, कृषि में तकनीक की उपयोगिता से राज्य देश को दिशा भी दिखा रहा है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में 10 एग्रो जलवायु क्षेत्र हैं, एक बड़ा हिस्सा रेगिस्तान का है।

भारत विस्तार तकनीकी प्रणाली बढ़ाएगी किसानों की खुशहाली

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने केन्द्रीय कृषि मंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि एआई के माध्यम से लागू होने वाली प्रणाली भारत विस्तार कृषि के आधुनिकीकरण की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। यह किसानों की खुशहाली को और बढ़ाएगी। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार ने आधार, यूपीआई और एग्रीस्टेक जैसे मजबूत डिजिटल प्लेटफॉर्म की तर्ज पर कृषि में एआई पर आधारित एक राष्ट्रीय डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर भारत-विस्तार तैयार किया है। यह एक ऐसा तकनीकी बदलाव है जहां तकनीक, ज्ञान और किसान एक साथ आगे बढ़ते हैं। भारत विस्तार के माध्यम से किसानों के फोन में फसल की योजना, खेती के बेहतर तरीके, कीट से बचाव, मौसम की जानकारी, बाजार भाव, मत्स्यपालन, पशुपालन और सरकारी योजनाओं से जुड़ी जानकारी उपलब्ध होगी। इससे प्रदेश के किसानों को भी व्यापक फायदा मिलेगा।

किसानों के हितों पर किसी भी तरह की आंच नहीं आने दी जाएगी

चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री के लिए किसान हित सर्वोपरि है तथा उनका मानना है कि वे किसानों के हित पर किसी भी तरह की आंच नहीं आने देंगे। उन्होंने कहा कि वर्ष 2006-07 में जब चीनी का रिकॉर्ड उत्पादन हुआ तब तत्कालीन सरकार द्वारा चीनी का बफर स्टॉक क्यों नहीं किया गया, किसानों को संरक्षण क्यों नहीं दिया गया। साथ ही, पहले भारत खाद्य तेलो में आत्मनिर्भर था लेकिन तत्कालीन सरकार की गलत नीतियों के कारण खाद्य तेल में देश आयात पर निर्भर हो गया। उन्होंने पशुपालकों को आश्वस्त किया कि दूध, दही, घी, पनीर अथवा कोई भी डेयरी उत्पाद का आयात नहीं किया जाएगा। साथ ही, किसानों तथा गौ पशुपालकों के हितों का पूरा ध्यान रखा जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत विस्तार के माध्यम से किसानों को खेती से जुड़ी जानकारी और सेवाएं सीधे बातचीत के माध्यम से तुरंत उनकी भाषा में मिलेंगी। महाराष्ट्र से महाविस्तार, बिहार से बिहार कृषि, और गुजरात से अमूल जैसे सिस्टम पहले ही इससे जुड़ चुके हैं। यह एक साझा डिजिटल आधार है, जो केंद्र और राज्यों की प्रणालियों को जोड़कर किसानों तक सेवाएं सरल, एकीकृत और भरोसेमंद तरीके से पहुँचाने का माध्यम बनेगा।

आत्मनिर्भरता की दिशा में समर्पित व्यक्तित्व, नवीन कुमार भंडारी की अनूठी पहल

जयपुर। गौ-सेवा को केवल भावनात्मक आस्था तक सीमित न रखकर, उसे आत्मनिर्भरता और पर्यावरण संरक्षण से जोड़ने का कार्य यदि किसी समाजसेवी ने निरंतरता और दूरदर्शिता के साथ किया है, तो वे हैं नवीन कुमार भंडारी। वर्षों से वे कई गौशालाओं और गौ माता के समग्र कल्याण को केंद्र में रखकर ऐसे व्यावहारिक आयामों पर कार्य कर रहे हैं, जिनसे गौ माता केवल आश्रित न रहे, बल्कि आत्मनिर्भर बन सके।

आत्मनिर्भर गौ-व्यवस्था का संकल्प

नवीन कुमार भंडारी ने अपने जीवन का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य बनाया– 'गौ माता को निर्भर नहीं, आत्मनिर्भर बनाना।' उनका मानना है कि गौ-सेवा तभी स्थायी होगी जब गौशालाएँ आर्थिक रूप से सशक्त हों और गौ-आधारित उत्पाद आय का नियमित स्रोत बनें। इसी सोच के साथ उन्होंने निम्नलिखित कार्य किए:

गौ-गोबर से निर्मित 'गो-काष्ठ' को समाज में स्वीकार्यता दिलाने का व्यापक अभियान चलाया।

धार्मिक और सामाजिक आयोजनों में गो-काष्ठ के उपयोग को प्रोत्साहित किया।

किसानों की आय बढ़ाने के छोटे-छोटे व्यावहारिक आयामों पर कार्य किया।

गौ-आधारित उत्पादों को 'वेस्ट टू वेल्थ' की अवधारणा से जोड़ा।

जयपुर में गो-काष्ठ के प्रचलन की पहल

पर्यावरण संरक्षण के दृष्टिकोण से जब पेड़ों की कटाई चिंता का विषय बनी, तब नवीन कुमार भंडारी ने गो-काष्ठ को एक सशक्त विकल्प के रूप में प्रस्तुत किया। उन्होंने विभिन्न सामाजिक संगठनों, धार्मिक संस्थाओं और साधु-संतों के साथ मिलकर जनसंपर्क अभियान चलाया। जन-जागृति सभाओं, संवाद कार्यक्रमों और प्रत्यक्ष प्रेरणा के माध्यम से उन्होंने समाज को समझाया कि: 'हम गौ माता को कुछ नहीं देते, गौ माता ही हमें सब कुछ देती है।' आज जयपुर में होलिका दहन, यज्ञ, धार्मिक अनुष्ठानों और अन्य अवसरों पर गो-काष्ठ का बढ़ता उपयोग उनके इसी सतत प्रयास का परिणाम है। उनकी यह पहल अब एक सामाजिक आंदोलन का रूप ले चुकी है।

मार्गदर्शन और सहयोग

जयपुर नगर निगम (ग्रेटर) के उप महापौर पुनीत कर्णावट का मार्गदर्शन नवीन कुमार भंडारी को निरंतर प्राप्त होता रहा है। उनके सहयोग से अनेक योजनाएं धरातल पर साकार हो सकी हैं। इस समन्वय ने गौ-सेवा और पर्यावरण संरक्षण के कार्यों को संस्थागत रूप देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

किसानों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर प्रभाव

भंडारी जी ने गौ-सेवा को ग्रामीण अर्थव्यवस्था की धुरी बनाने का प्रयास किया है: गोबर आधारित उत्पादों के निर्माण से अतिरिक्त आय के अवसर। ग्रामीण क्षेत्रों में लघु उद्योगों को बढ़ावा। जैविक खेती और प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग को प्रोत्साहन। इन प्रयासों ने गौ-आधारित अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में सकारात्मक परिणाम दिए हैं।

सम्मान और सामाजिक स्वीकृति

गौ-सेवा, पर्यावरण संरक्षण और जन-जागरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए अनेक सामाजिक संस्थाओं ने नवीन कुमार भंडारी को 'समाज गौरव रत्न' और 'गौ रत्न' जैसे विभिन्न सम्मानों से अलंकृत किया है। ये सम्मान उनके कार्यों की सामाजिक स्वीकार्यता का प्रमाण हैं। नवीन कुमार भंडारी का व्यक्तित्व केवल एक समाजसेवी का नहीं, बल्कि एक ऐसे प्रेरक का है जो स्वयं सक्रिय रहकर समाज को जागृत करता है। उनकी पहल ने यह सिद्ध कर दिया है कि जब समर्पण, सही मार्गदर्शन और जन-सहभागिता का मिलन होता है, तो सेवा एक आंदोलन बन जाती है।

आचार्य श्री जी की द्वितीय पुण्यतिथि पर विशेष

जीवनभर सबको अनमोल निधियाँ देने वाले महान संत: आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

इंजी. अरुण कुमार जैन

बीजेपी के शासनकाल में जब नई शिक्षा नीति बनी, तो समिति के अध्यक्ष डॉ. के. कस्तूरीरंगन से भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति महामहिम रामनाथ कोविंद जी ने कहा कि आप इस विषय में मार्गदर्शन लेने के लिए दिगंबर जैन आचार्य श्री विद्यासागर जी से अवश्य मिलें। डॉ. कस्तूरीरंगन को बड़ा आश्चर्य हुआ कि एक दिगंबर जैन संत, जिनकी लौकिक शिक्षा अधिक नहीं थी, वे इस तकनीकी विषय पर क्या मार्गदर्शन देंगे? पर राष्ट्रपति का सुझाव था, अतः वे अपनी पूरी टीम के साथ पूज्य आचार्य श्री के पास पहुँचे। उनके दर्शन और चर्चा के बाद डॉ. कस्तूरीरंगन ने स्वयं स्वीकार किया कि आचार्य श्री से मिलने के पश्चात उनके सारे संशय समाप्त हो गए और 'नई शिक्षा नीति 2020' बनाने में उन्हें सर्वश्रेष्ठ मार्गदर्शन आचार्य श्री से ही प्राप्त हुआ। वर्ष 2016 में भोपाल चातुर्मास के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने आचार्य श्री के दर्शन कर मार्गदर्शन लिया। पुनः 2024 में चंद्रगिरि (छत्तीसगढ़) प्रवास के दौरान भी मोदी जी सुबह-सुबह आचार्य श्री का आशीर्वाद लेने पहुँचे। 18 फरवरी 2024 को जब दिल्ली के भारत मंडपम में बीजेपी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक चल रही थी, तभी आचार्य श्री के देवलोक गमन का समाचार मिला। पूरे देश की 5000 विभूतियों ने अश्रुपूरित नेत्रों से उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की, जिसे पूरे विश्व ने देखा। जिस प्रकार ज्येष्ठ मास की तपन में चंद्रमा की शीतलता और सुरभित उद्यान में प्रवेश करते ही मन को शांति मिलती है, आचार्य श्री के दर्शन मात्र से वैसी ही दिव्य अनुभूति होती थी। उनकी स्नेहिल दृष्टि पड़ते ही अंतःकरण असीम तृप्ति से भर जाता था।

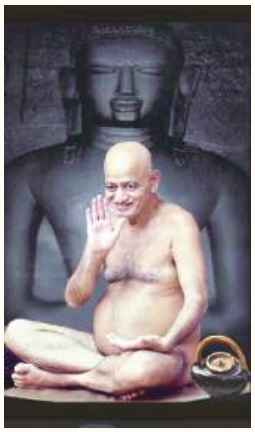

जीवन परिचय और कठोर साधना

जन्म: 1946 (शरद पूर्णिमा), सदलगा ग्राम (कर्नाटक)। बचपन का नाम: विद्याधर।

दीक्षा: जून 1968 में अजमेर में गुरु आचार्य श्री ज्ञान सागर जी महाराज द्वारा मुनि दीक्षा प्रदान की गई।

साधना: युवावस्था से ही वैराग्य और तप उनके साथी रहे। एक बार ब्रह्मचारी अवस्था में बिच्छू के काटने पर भी उन्होंने कोई चिकित्सा नहीं ली और पूरी रात मंत्र जाप कर वेदना सहते रहे।

गुरु भक्ति: उन्होंने अपने वृद्ध गुरु आचार्य ज्ञान सागर जी की तन-मन से सेवा की। गुरु ने अपनी सल्लेखना के समय आचार्य पद उन्हें सौंपकर स्वयं उनके शिष्य बनना स्वीकार किया।

1972 से 52 वर्षों के आचार्य काल में उन्होंने त्याग के अनूठे उदाहरण पेश किए:

आहार: उनके भोजन में नमक, चीनी, फल या हरी सब्जी तक नहीं होती थी, फिर भी उनकी काया स्वर्ण के समान चमकती थी। वे 24 घंटे में केवल एक बार खड़े होकर करपात्र में आहार लेते थे।

चर्या: आजीवन नंगे पैर चले, कभी चटाई या गद्दे का प्रयोग नहीं किया। पंखा, एसी, कूलर और हीटर जैसी सुविधाओं से वे कोसों दूर रहे।

तीर्थ उद्धार: उन्होंने स्वयं के लिए कोई आश्रम नहीं बनाया, बल्कि कुंडलपुर, रामटेक, अमरकंटक और नेमावर जैसे उपेक्षित तीर्थों को विश्व पटल पर गौरवान्वित किया।

जनकल्याणकारी प्रकल्प

गौ-सेवा: उनके आशीर्वाद से 'दयोदय' जैसे प्रकल्पों के माध्यम से देश भर में 150 से अधिक गौशालाएं संचालित हो रही हैं।

हथकरघा (श्रमदान): जेल के कैदियों और आदिवासियों को स्वावलंबी बनाने के लिए 'चरखा प्रकल्प' शुरू किया, जिससे हजारों परिवारों को सम्मानजनक रोजगार मिला।

शिक्षा (प्रतिभास्थली): बेटियों के संस्कारित चरित्र निर्माण हेतु 'प्रतिभास्थली' जैसे संस्थान स्थापित किए।

स्वास्थ्य: 'पूणार्यु' और 'भाग्योदय' अस्पतालों के माध्यम से आयुर्वेद और आधुनिक चिकित्सा को जन-जन तक पहुँचाया।

साहित्य: 'मूकमाटी' जैसा महाकाव्य और 'नर्मदा का नरम कंकर' जैसी कृतियाँ भारतीय साहित्य के लिए ईश्वरीय वरदान हैं।

अंतिम समय और संदेश

आचार्य श्री का सदा से उद्घोष था– 'इंडिया नहीं, भारत बोलो' और हिंदी को गौरव दो। 18 फरवरी 2024 की उषा बेला (रात्रि 2:00 बजे) में चंद्रगिरि तीर्थ पर उन्होंने देह त्याग कर परम सत्ता से साक्षात्कार किया। आज उनके द्वारा दीक्षित सैकड़ों मुनिराज और आर्यिका माताजी (जैसे आचार्य समय सागर जी, आर्यिका पूर्णमति माताजी) उनके बताए मार्ग 'भावना योग' और 'अर्हम योग' के माध्यम से मानवता का कल्याण कर रहे हैं।

'धरा श्रेष्ठ थे, युग प्रवर्तक सुमेरु तप-त्याग साधना के,
सबको सब कुछ देने वाले, कुछ भी जग से ना लेते।
युग-युग में ना कोई था न होगा, ईश्वर, ब्रह्मा या शिव थे,
पारसमणि, कामधेनु, कल्पवृक्ष या अनुपम अमृत थे।'

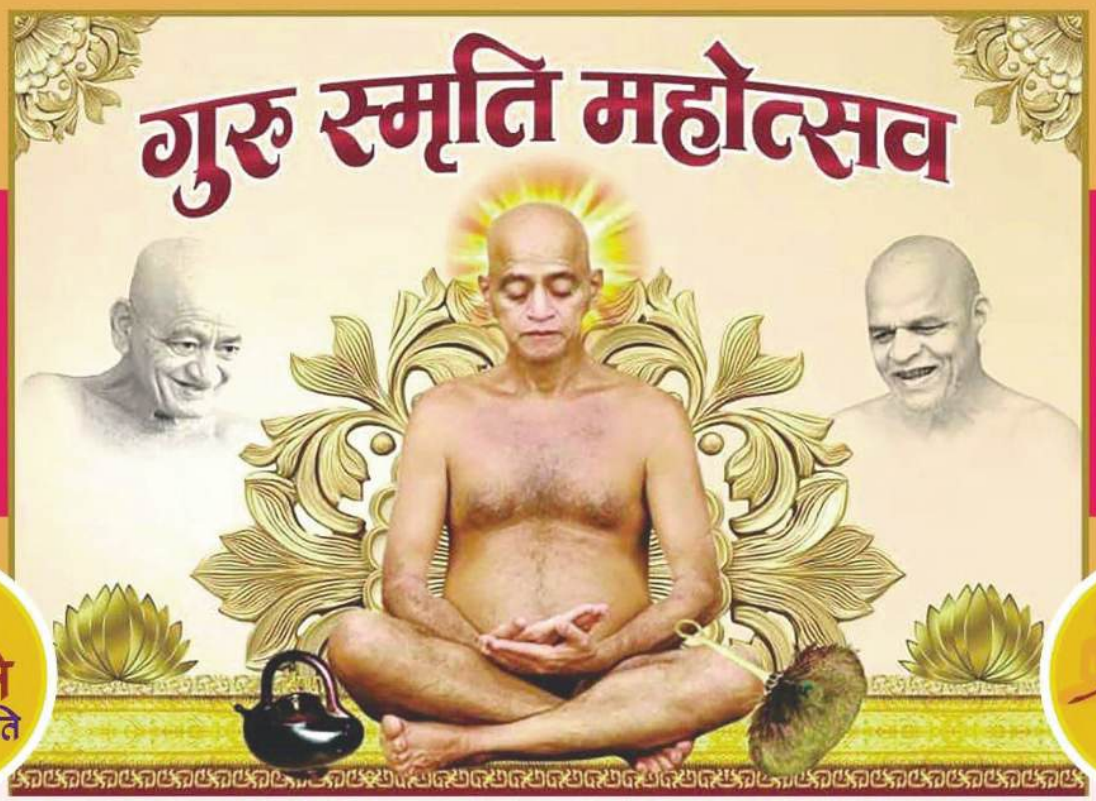

परम पूज्य, राष्ट्रसंत आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज महज एक साधु नहीं, बल्कि आधुनिक युग के वह प्रकाश स्तंभ थे, जिन्होंने अपने कठोर तप, त्याग और करुणा से न केवल जैन धर्म, बल्कि संपूर्ण मानवता को राह दिखाई।

उनके समाधि दिवस के इस पावन अवसर पर,
मुनि श्री 108 विनम्रसागर जी महाराज ससंघ के सान्निध्य में

बुधवार, 18 फरवरी, 2026 को दोपहर 2.15 बजे
भट्टारक जी की नसियाँ प्रांगण में

आकाश दीप समर्पण

घर से लाये एक दीप गुरु समीप

आइए, हम सब मिलकर उनके गुणों का स्मरण करें और एक दीप जलाएं।

आयोजक : श्रीमुनिसेवा समिति, बापू नगर, जयपुर
निवेदक : प्रबन्ध कमेटी, दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी

94140-54571 | 94140-16808

वेद ज्ञान

सत्य ही सनातन है

सनातन धर्म ही एकमात्र शाश्वत परंपरा है, जो ऐतिहासिक सीमाओं से परे है और सभी आध्यात्मिक मार्गों के सार को समाहित करती है। इसके मूल में सत्य, प्रेम, करुणा और अहिंसा हैं। सनातन धर्म की पवित्र ग्रंथ परंपरा वेदों से शुरू होती है, जिसके बाद उपनिषद, पुराण और श्रीमद्भगवद्गीता आते हैं। गोस्वामी तुलसीदास की रामचरितमानस इस परंपरा का अंतिम ग्रंथ है। यदि सनातन धर्म के आध्यात्मिक प्रतीकवाद का काव्यात्मक वर्णन किया जाए तो कहा जा सकता है कि इसकी धारा गंगा है। इसका पवित्र पर्वत कैलास है। इसका वृक्ष अक्षय वट है। इसका ग्रंथ वेद है और इसका दिव्यास्त्र सुदर्शन चक्र है। इसकी सुखदायक शांति चंद्रमा है और इसका प्रकाश सूर्य है। सनातन धर्म में सभी का समावेश है। वह अपने अंदर सबको समाहित किए है। इसका कब आरंभ हुआ, यह गणना नहीं है, शेष सबकी काल गणना है कि कौन कब से है। मानस में सनातन शब्द नहीं आया, मगर मानस में सब कुछ सनातन है। मानस का सत्य ही सनातन धर्म है। प्रेम ही सनातन धर्म है। करुणा ही तो सनातन धर्म है। अहिंसा ही तो सनातन धर्म है। हमारी संस्कृति वैदिक सनातन धर्म है। वै का अर्थ है वैश्विक और दिक का अर्थ दिशा। जो संस्कृति विश्व को दिशा दे, वह वैदिक है। जो धर्म वैश्विक दिशा दशार्ता है, उसी का नाम है वैदिक सनातन धर्म है। जो वैश्विक मार्गदर्शन करता है, इस दिशा में हमें प्रेरित करता है, गति देता है और लक्ष्य तक पहुंचने के लिए आशीर्वाद देता है। विश्व मंगल के लिए जो धाराएं आईं, उनमें जो सनातन मूल्य हैं, उन्हें हम नकार नहीं सकते। सनातनता परम सत्य है। हमें इन बातों में नहीं जाना कि कौन हीन है, कौन श्रेष्ठ है। जनवरी में जैन मुनि ने राजधानी में राम कथा कराई। यह भी सनातन विचार का परिणाम है। सनातन में पांच देवों की विशेष मान्यता है। पांच देवों के संदेश युवा अपने हृदय में धारण करें। गणेश विवेक के देव हैं। आवश्यकता है विवेक की। दूसरे देव, सूर्य की उपासना का अर्थ है कि हम उजाले में जिएं। प्रकाश की तरफ हमारी गति हो। सनातन कहता है कि युवाओं को प्रकाश में जीने का संकल्प लेना चाहिए। तीसरे देव हैं विष्णु। विष्णु यानी व्यापकता। हमारे विचार विशाल हों। संकीर्णता के कारण अच्छी विचारधारा भी लड़ रही हैं।

संपादकीय

एआई समिट: एक बड़े बदलाव की तरफ कदम

नई दिल्ली में सोमवार से भारत एआई इम्पैक्ट समिट 2026 की शुरूआत हुई, जो 20 फरवरी तक चलेगी। एआई पर यह दुनिया का अब तक का सबसे बड़ा कार्यक्रम है, जिसमें कम से कम 20 देशों के राष्ट्रप्रमुख, 50 से ज्यादा मंत्री और 40 से ज्यादा बड़े सीईओ हिस्सा लेने आ रहे हैं। गूगल के सुंदर पिचाई, ओपन एआई के सैम ऑल्टमैन, एंथ्रोपिक के डेरियो अमोडी, माइक्रोसॉफ्ट के ब्रैड स्मिथ, एडोब के शांतनु नारायण जैसे

तकनीकी क्षेत्र के दिग्गजों के अलावा फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और ब्राजील के राष्ट्रपति लुला दा सिल्वा भी इसमें शामिल हो रहे हैं। इन तमाम बड़ी हस्तियों की एक साथ एक बैनर के नीचे उपस्थिति यह बता रही है कि दुनिया ने एक बड़े बदलाव की तरफ कदम बढ़ा लिया है, जो ऊपरी तौर पर केवल तकनीकी से जुड़ा नजर आता है, लेकिन असल में इसका असर जिंदगी के हर हिस्से पर पड़ना शुरू हो चुका है। एआई यानी आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस या कृत्रिम बुद्धिमत्ता अब हर क्षेत्र में दिखाई देने लगी है। विज्ञान, शिक्षा, चिकित्सा, कृषि, व्यापार हर जगह अब एआई का सहयोग लिया जा रहा है। दशकों तक भू राजनैतिक आकलन बंद दरवाजों के पीछे विदेशी राजनयिकों और जांच एजेंसियों के भरोसे होता रहा, क्योंकि सरकारी दस्तावेज और अंदरूनी खबरों तक इन्हीं की पहुंच होती थी। थिंक टैंक्स, रिस्क एनालिस्ट्स (जोखिम विश्लेषकों) या मीडिया के आकलन सब राजनयिकों और जांच एजेंसियों के सूत्रों पर निर्भर होते थे। लेकिन अब एआई ने यह परिदृश्य भी बदल दिया है। अब एआई की मदद से विभिन्न देशों में लिए जा रहे फैसलों, सेटेलाइट छवियों, आयात-निर्यात, पूंजी का प्रवाह, मीडिया में चलाई जा रही खबरों सब पर निगाह रखने के साथ तुरंत ही उसका विश्लेषण भी किया जा रहा है। नतीजा ये है कि एक देश के हालात का असर दूसरे देश पर पड़ने में पहले जितना वक्त लगता था, अब वो कुछ पलों में सिमट चुका है। ऐसे महत्वपूर्ण समय परिदृश्य में भारत में इस एआई समिट के होने के खास मायने हैं, क्योंकि दुनिया इसे ग्लोबल साउथ की बढ़ती ताकत के नजरिए से देख रही है। औपनिवेशिक दासता से मुक्त देश तीसरी दुनिया कहलाते रहे हैं, अब एशिया, अफ्रीका, लैटिन अमेरिका के ऐसे तमाम देश ग्लोबल साउथ का हिस्सा कहलाते हैं। ग्लोबल साउथ एक भौगोलिक शब्द न होकर भू-राजनीतिक और आर्थिक धारणा है। एआई समिट का भारत में होना तीसरी दुनिया के उन तमाम देशों के लिए भी महत्वपूर्ण हो गया है, जिनके डेटा तक वैश्विक शक्तियों की पहुंच है। इन देशों के राजनैतिक, आर्थिक फैसलों पर वैश्विक शक्तियां इसी डेटा की मदद से प्रभाव डालती हैं। और इसमें एआई की मदद ली जाती है। ऐसे में इस समिट के दौरान कुछ बड़े सवाल सामने आ रहे हैं, जैसे क्या भारत बड़ी वैश्विक शक्तियों के सामने अपने डेटा को सुरक्षित रखने के लिए आवाज उठा सकेगा, क्योंकि राहुल गांधी ने संसद में और बाद में भी एआई के खतरों और संभावनाओं दोनों को खुल कर सरकार के सामने रखा है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

विकास की धड़कन बना असम ब्रह्मपुत्र पर सेतु

-कांतिलाल मांडोत

असम की धरती पर जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुवाहाटी की जनसभा में भारत माता की जय का उद्घोष किया, तो वह केवल एक राजनीतिक नारा नहीं था, बल्कि उत्तर-पूर्व के विकास को लेकर केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता का संदेश भी था। उनके संबोधन में संगठन की शक्ति, कार्यकर्ताओं के समर्पण और राष्ट्र निर्माण के संकल्प की झलक दिखाई दी। उन्होंने स्पष्ट कहा कि 2014 के बाद उत्तर-पूर्व को प्राथमिकता दी गई है और यह क्षेत्र अब विकास की मुख्यधारा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। असम, जो लंबे समय तक भौगोलिक दूरी और बुनियादी ढांचे की कमी के कारण पिछड़ा माना जाता था, आज बड़े प्रोजेक्ट्स के जरिए नए युग में प्रवेश कर रहा है। प्रधानमंत्री ने ब्रह्मपुत्र नदी पर बने 6-लेन के आधुनिक पुल कुमार भास्कर वर्मा सेतु का उद्घाटन किया। लगभग 3, 030 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित यह पुल गुवाहाटी और नॉर्थ गुवाहाटी को जोड़ता है। यह पूर्वोत्तर भारत का पहला एक्स्ट्राडोज्ड पुल है, जो इंजीनियरिंग की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके बन जाने से दोनों शहरों के बीच यात्रा समय घटकर मात्र सात मिनट रह जाएगा। इससे न केवल यातायात सुगम होगा, बल्कि व्यापार, शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यटन को भी नई गति मिलेगी। ब्रह्मपुत्र, जो असम की जीवनरेखा है, अब विकास का सेतु बन चुकी है। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में यह भी उल्लेख किया कि पिछले वर्षों में उत्तर-पूर्व के 125 से अधिक महान व्यक्तित्वों को पद्म पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। इससे यह स्पष्ट होता है कि इस क्षेत्र की प्रतिभा और सांस्कृतिक समृद्धि को राष्ट्रीय मंच पर उचित पहचान मिल रही है। लंबे समय तक उपेक्षित रहे इस भूभाग को अब देश के विकास मानचित्र में प्रमुख स्थान दिया जा रहा है। विकास की इसी कड़ी में केंद्र सरकार ने एक और ऐतिहासिक निर्णय लिया है। प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में केंद्रीय कैबिनेट ने ब्रह्मपुत्र नदी के नीचे देश की पहली ट्विन-ट्यूब अंडरवाटर रेल एवं सड़क टनल को मंजूरी दी है। यह परियोजना गोहपुर और नुमालीगढ़ के बीच बनाई जाएगी। लगभग 15.8 किलोमीटर लंबी यह टनल तकनीकी दृष्टि से अत्यंत जटिल और महत्वाकांक्षी है। पूरे प्रोजेक्ट, जिसमें अप्रोच रोड और रेलवे ट्रैक भी शामिल हैं, की लंबाई 33.7 किलोमीटर होगी और इस पर लगभग 18, 600 करोड़ रुपये की लागत आएगी। इस टनल के बन जाने से वर्तमान में 240 किलोमीटर की दूरी घटकर लगभग 34 किलोमीटर रह जाएगी। इससे न केवल समय और ईंधन की बचत होगी, बल्कि क्षेत्रीय संपर्क भी सुदृढ़ होगा। यह परियोजना सामरिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। आपात स्थिति में सेना और आवश्यक संसाधनों की तेजी से आवाजाही संभव हो सकेगी। एक ट्यूब में सिंगल रेल ट्रैक की सुविधा होगी और ट्रेनें बिजली से संचालित होंगी। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इसे इस प्रकार डिजाइन किया जाएगा कि ट्रेन के गुजरने के दौरान सड़क यातायात नियंत्रित रहेगा। इसमें बैलिस्टिक ट्रैक जैसी आधुनिक तकनीक का उपयोग किया जाएगा, जो इसे अत्याधुनिक संरचना बनाता है। इन परियोजनाओं का महत्व केवल यातायात सुविधा तक सीमित नहीं है। उत्तर-पूर्व भारत लंबे समय से भौगोलिक अलगाव और सीमित बुनियादी ढांचे के कारण आर्थिक रूप से पीछे रहा है। जब मजबूत पुल, आधुनिक सड़कें और सुरक्षित रेल नेटवर्क तैयार होते हैं, तो वे केवल दो स्थानों को नहीं जोड़ते, बल्कि संभावनाओं को जोड़ते हैं। इससे उद्योग, कृषि, पर्यटन और छोटे व्यवसायों को नई ऊर्जा मिलती है।

अखिल भारतवर्षीय खंडेलवाल वैश्य महासभा द्वारा 'स्मार्ट तरीके से पढ़ाई करो, कड़ी मेहनत से नहीं' विषय पर ऑनलाइन वर्कशॉप आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया

अखिल भारतवर्षीय खंडेलवाल वैश्य महासभा, जयपुर की ओर से राष्ट्रीय युवा संयोजक शरद फरसोइया एवं उनकी टीम द्वारा 'स्मार्ट तरीके से पढ़ाई करो, कड़ी मेहनत से नहीं' विषय पर एक ऑनलाइन वर्कशॉप का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस सफल आयोजन पर महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश चन्द्र गुप्ता (तूँगा वाले) और मुख्य कार्यकारी अध्यक्ष संजीव कट्टा ने पूरी टीम को साधुवाद एवं बधाई दी। वर्कशॉप के संयोजक शरद फरसोइया ने बताया कि यह सत्र विशेष रूप से समाज के कक्षा 8 से 12 तक के विद्यार्थियों के लिए आयोजित किया गया था। वर्कशॉप में मुख्य वक्ताओं के रूप में निम्नलिखित विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों को संबोधित किया:

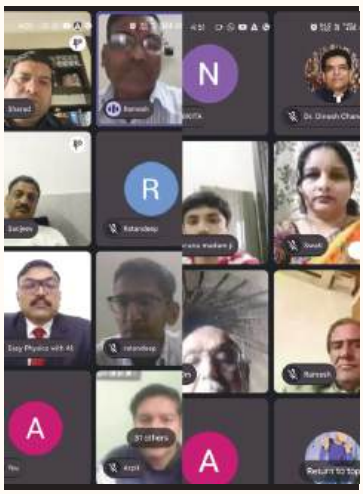

प्रोफेसर रमेश कुमार रावत: राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं मीडिया प्रभारी (महासभा) तथा कुलसचिव, सिक्किम प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी।

प्रोफेसर (डॉ.) दिनेश चंद्र भूखमारिया: समाजशास्त्र विभाग, राजकीय बालिका पी.जी. महाविद्यालय, विक्रमादित्य यूनिवर्सिटी, उज्जैन।

अभिषेक दूसाद: अकादमिक निदेशक, डॉ. जे.बी. सिंह ग्रुप ऑफ स्कूल्स एवं पंडित रविशंकर शुक्ला यूनिवर्सिटी, छत्तीसगढ़।

वक्ताओं ने वर्कशॉप की मुख्य थीम 'स्मार्ट तरीके से पढ़ाई करो, कड़ी मेहनत से नहीं' तथा इसकी उप-थीम– परीक्षा की प्रभावी तैयारी, स्मार्ट स्टडी तकनीक, समय एवं तनाव प्रबंधन और सफलता के लिए जीवन कौशल पर विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में महासभा के प्रधानमंत्री चंद्र प्रकाश खंडेलवाल, कोषाध्यक्ष गंगा राम खंडेलवाल, 'महासभा पत्रिका' के प्रधान संपादक राम निरंजन खुटेटा, पत्रिका सह-प्रभारी राम बाबू गुप्ता, भवन संयोजक रमेश चंद खंडेलवाल और 'सुमधुरा सखी सहेली मंच' की संयोजक मधु खंडेलवाल उपस्थित रहीं। साथ ही युवा इकाई के मीडिया संयोजक अर्पित गुप्ता (उज्जैन), गूगल मीट सहयोगी रतनदीप खंडेलवाल, ब्रज मोहन वैद, नंदकिशोर फरसोईया, राजेश तम्बोलिया, शंकर ताम्बी, सचिन बडाया, पंकज रावत, अनुराग पितलिया, सौरभ ताम्बी, सौरभ दुसाद, डॉ. अंशुल खुटेटा, ओमप्रकाश कुलवाल, प्रतीक फरसोईया, अंकेश तम्बोलिया, विकास काठ, यश कट्टा, प्रियंक धोकरिया, केशव देव आकड़, राहुल डगायच, राहुल गुप्ता, अमित बड़गोती, सीए गौरव डॉस, रोहित गुप्ता, यश बैद, शुभम गुप्ता, अंकित बड़गोती, अविनाश काठ, अंकित बडाया, अमित जसोरिया, गौरव मचीवाल, अतुल ताम्बी, मयंक झालानी, श्रीकांत सामरिया, त्रिपुर गोटेवाला एवं अन्य कार्यकारिणी सदस्यों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। इस ऑनलाइन वर्कशॉप में राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, छत्तीसगढ़, झारखंड, असम, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश सहित देश के विभिन्न राज्यों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। कोलकाता, दिल्ली, अहमदाबाद, हैदराबाद, रतलाम और राजनांदगाँव जैसे प्रमुख शहरों से समाज के शिक्षाविदों, पदाधिकारियों और कर्मठ कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

विरोदय तीर्थ क्षेत्र में ऐतिहासिक चक्रवर्ती विवाह, श्रद्धा और संस्कृति का अद्भुत संगम

बांसवाड़ा (सुरेश चंद्र गांधी). शाबाश इंडिया

विरोदय तीर्थ क्षेत्र के इतिहास में पहली बार चक्रवर्ती विवाह का आयोजन अत्यंत भव्यता, धार्मिक विधि-विधान और जैन परंपराओं के अनुरूप संपन्न हुआ। पंडित उपेंद्र शास्त्री के मंत्रोच्चार के साथ संपन्न यह आयोजन न केवल तीर्थ क्षेत्र के लिए गौरव का विषय बना, बल्कि संपूर्ण जैन समाज के लिए एक प्रेरणादायक क्षण रहा। इस पावन अवसर पर चक्रवर्ती विवाह के नायक-नायिका अक्षत जी (सुपुत्र श्री मनोज जी, भरड़ा) एवं प्रसिद्धि जैन (सुपुत्री पं. प्रदीप जी, नौगामा) बने। दोनों का यह विवाह धार्मिक गरिमा से परिपूर्ण और अनुकरणीय रहा।

विवाह का शुभारंभ प्रातः काल भगवान आदिनाथ की भक्ति एवं मंगलाचरण के साथ हुआ। जैन परंपरा में विवाह को केवल सामाजिक आयोजन नहीं, बल्कि एक 'धर्म-संस्कार' माना जाता है। इसी भावना के साथ भगवान की पूजा-अर्चना, दीप प्रज्वलन और आशीर्वचन की प्रक्रिया संपन्न हुई। आयोजन में भव्यता तब देखते ही बनी जब दूल्हा पक्ष की ओर से हाथी पर सवार होकर वर की शाही शोभायात्रा निकाली गई। हाथी की सवारी का उद्देश्य केवल प्रदर्शन नहीं, बल्कि यह संदेश देना था कि जीवन के प्रत्येक सोपान पर धर्म, संयम और मर्यादा का पालन अनिवार्य है। जैन धर्म में चक्रवर्ती विवाह का विशेष महत्व है क्योंकि यह केवल दो व्यक्तियों का बंधन नहीं, बल्कि परिवार और समाज की सहभागिता से संस्कारों को सुदृढ़ करने का माध्यम है। पारंपरिक जैन विधियों के अनुसार मंगलाचरण, वर-वधू मिलन, सप्तपदी, वचन-प्रतिज्ञा एवं धर्म-लाभ जैसी क्रियाएं संपन्न की गईं। यहाँ ली गई सात प्रतिज्ञाएं केवल गृहस्थ जीवन के लिए नहीं, बल्कि अहिंसा, सत्य और परोपकार के पालन हेतु भी समर्पित थीं। दोपहर की बेला में आयोजन का मुख्य आकर्षण 'भक्तांबर विधान' रहा। यह जैन धर्म की एक अत्यंत पवित्र प्रक्रिया है, जिसमें भक्तांबर स्तोत्र के पाठ और मंत्रोच्चार के माध्यम से भगवान आदिनाथ की विशेष आराधना की जाती है। इसका उद्देश्य दांपत्य जीवन में मंगल, सुख-शांति एवं आध्यात्मिक उन्नति प्राप्त करना है। इस विधान ने विवाह को एक पूर्णतः धर्ममय स्वरूप प्रदान किया। इस विवाह में दशा हुमड़ समाज द्वारा पारित प्रस्ताव का अक्षरशः पालन किया गया। श्रेष्ठि श्री प्रदीप जैन ने रदिन में शादी, दिन में भोजन की परंपरा को निभाते हुए बड़ी शालीनता के साथ सभी मेहमानों को बैठकर भोजन कराकर एक अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया। नव-विवाहित जोड़े ने अपने जीवन की शुरूआत के लिए प्रथम तीर्थ दर्शन हेतु सम्मेद शिखर जी की यात्रा के लिए प्रस्थान किया। इस अवसर पर विरोधय ट्रस्ट के अध्यक्ष मोहनलाल पिडारमिया, उपाध्यक्ष राजेश गांधी और नौगामा जैन समाज के अध्यक्ष विपुल पंचोली ने सभी का आभार प्रकट किया। समस्त समाज ने प्रसिद्धि जी एवं अक्षत जी को उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामनाएं प्रेषित कीं।

महावीर इंटरनेशनल गढ़ी परतापुर द्वारा बेडवा में ग्रामीणों को 'जीवन रक्षक टैबलेट किट' वितरित

गढ़ी परतापुर. शाबाश इंडिया

महावीर इंटरनेशनल गढ़ी परतापुर द्वारा 'हृदय सुरक्षा प्रोजेक्ट' के तहत भगवान आदिनाथ प्रतिमा प्राकट्य भूमि, बेडवा में ग्रामीणों को जीवन रक्षक टैबलेट किट वितरित किए गए। समारोह की अध्यक्षता प्रभुलाल पटेल ने की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गवर्निंग काउंसिल सदस्य अजीत कोठिया एवं विशिष्ट अतिथि लालेंग भाई पाटीदार थे। कार्यक्रम के प्रारंभ में अतिथियों ने भगवान आदिनाथ के चरण चिह्नों की वंदना की। मुख्य वक्ता एवं संस्था के इंटरनेशनल डायरेक्टर (नॉलेज शेयरिंग एवं ई-चौपाल) अजीत कोठिया ने हार्ट अटैक की बढ़ती घटनाओं पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने प्राथमिक चिकित्सा के रूप में महावीर इंटरनेशनल द्वारा तैयार 'जीवन रक्षक टैबलेट किट' पर विस्तृत जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि यह किट हृदय घात की

स्थिति में रोगी को अस्पताल पहुँचने तक सुरक्षा प्रदान करती है। यदि किसी व्यक्ति को सीने में तेज दर्द हो या हृदय घात जैसी स्थिति लगे, तो किट में उपलब्ध निम्नलिखित तीन दवाइयां प्राण रक्षक साबित होती हैं:

एस्पिरिन (150 मिग्रा): खून के थक्के को जमने से रोकने में सहायक।

सोर्बिट्रेट (10 मिग्रा): हृदय की धमनियों को फैलाकर रक्त प्रवाह सुगम करने के लिए।

अटोर्वास्टेटिन (80 मिग्रा): कोलेस्ट्रॉल नियंत्रित करने और धमनियों की सुरक्षा के लिए।

आयोजन में अमित पाटीदार, कुसुम कोठिया और मोती पाटीदार ने महावीर इंटरनेशनल की इस स्वास्थ्य पहल का स्वागत किया। इससे पूर्व, प्रभुलाल पटेल ने महावीर इंटरनेशनल के पदाधिकारियों का माल्यार्पण एवं दुपट्टा ओढ़ाकर ग्रामीणों की ओर से अभिनंदन किया। कार्यक्रम का संचालन अजीत कोठिया ने किया तथा अमित पाटीदार ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर 11 जीवन रक्षक किट वितरित किए गए। ग्रामीणों ने पीड़ित मानवता की सेवा में संस्था के समर्पण की मुक्त कंठ से प्रशंसा की।

आधुनिक जीवन में बुजुर्गों की उपेक्षा

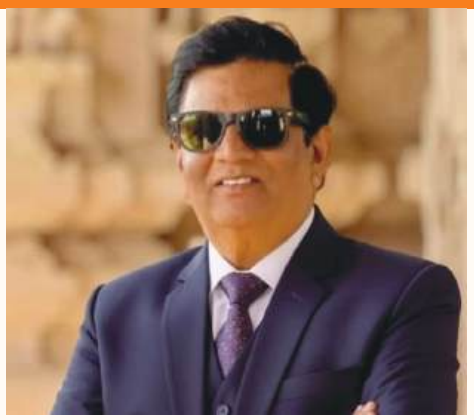

अनिल माथुर

आधुनिक जीवन ने जहाँ मनुष्य को भौतिक सुविधाएँ, तकनीकी प्रगति और तेज रफ्तार जीवनशैली दी है, वहीं परिवार और रिश्तों की गरमाहट कहीं न कहीं कम होती दिखाई दे रही है। इसका सबसे अधिक प्रभाव हमारे बुजुर्गों पर पड़ रहा है। जिन माताझपिता और दादाझदादी ने अपना संपूर्ण जीवन परिवार के लिए समर्पित कर दिया, आज वही बुजुर्ग कई बार उपेक्षा और अकेलेपन का सामना कर रहे हैं। आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली में युवा पीढ़ी अपने करियर, व्यवसाय और व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं में इतनी व्यस्त हो गई है कि उनके पास बुजुर्गों के लिए समय नहीं बचता। संयुक्त परिवारों की परंपरा धीरेझधीरे समाप्त हो रही है और एकल परिवारों का चलन बढ़ रहा है। परिणामस्वरूप बुजुर्ग स्वयं को घर में होते हुए भी अकेला महसूस करते हैं।

तकनीकी विकास ने पीढ़ियों के बीच संवाद की दूरी भी बढ़ा दी है। मोबाइल, इंटरनेट और सोशल मीडिया ने जहाँ नई पीढ़ी को आभासी दुनिया से जोड़ दिया है, वहीं बुजुर्ग इस परिवर्तन के साथ तालमेल बिठाने में कठिनाई महसूस करते हैं। कई बार उनकी बातों को पुराना विचार कहकर अनदेखा कर दिया जाता है, जबकि उनके अनुभव जीवन की सच्ची पाठशाला होते हैं।

बुजुर्गों की उपेक्षा केवल भावनात्मक ही नहीं, बल्कि सामाजिक समस्या भी बनती जा रही है। वृद्धाश्रमों की बढ़ती संख्या इस बात का संकेत है कि समाज कहीं न कहीं अपने नैतिक दायित्वों से दूर हो रहा है। जिन हाथों ने हमें चलना सिखाया, आज वही हाथ सहारे की प्रतीक्षा कर रहे हैं। हमें यह समझना चाहिए कि बुजुर्ग परिवार की जड़ होते हैं। उनके आशीर्वाद, अनुभव और मार्गदर्शन से ही परिवार मजबूत बनता है। यदि हम अपने बच्चों को संस्कार देना चाहते हैं, तो सबसे पहले हमें अपने बुजुर्गों का सम्मान करना होगा।

अंततः, आधुनिकता का अर्थ केवल भौतिक प्रगति नहीं, बल्कि मानवीय मूल्यों का संरक्षण भी है। यदि हम अपने बुजुर्गों को सम्मान, प्रेम और समय देंगे, तो हमारा समाज अधिक संवेदनशील और सशक्त बनेगा। बुजुर्गों की सेवा केवल कर्तव्य नहीं, बल्कि हमारा सौभाग्य है।

राष्ट्र संत की पावन निश्रा में ओसवाल सभा की नई कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण 22 को

उदयपुर. शाबाश इंडिया

ओसवाल सभा की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह रविवार, 22 फरवरी 2026 को आयोजित किया जाएगा। यह गरिमामय कार्यक्रम राष्ट्र संत ललित प्रभ सागर महाराज एवं डॉ. शांति प्रिय सागर महाराज के पावन सानिध्य में सायं काल 'विद्या निकेतन' प्रांगण में संपन्न होगा। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण पूज्य गुरुदेव के मुखारविंद से होने वाले प्रेरणादायक प्रवचन होंगे, जो समारोह में चार चाँद लगाएंगे और समाज में आध्यात्म की अलख जगाएंगे। तैयारियों को लेकर सभा अध्यक्ष प्रकाश चंद्र कोठारी एवं सचिव डॉ. प्रमिला जैन के नेतृत्व में महावीर जैन विद्यालय (सेक्टर-4) में कार्य परिषद की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार करते हुए आयोजन को भव्य बनाने पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। इस शपथ ग्रहण समारोह में ओसवाल सभा के वे सभी परिवार आमंत्रित होंगे, जिन्होंने सभा की सदस्यता ग्रहण कर ली है। आयोजन को सुव्यवस्थित करने के लिए आर.सी. मेहता, मनीष नागोरी, अभिषेक पोखरना, कमल कोठारी, सुनील मेहता, डॉ. गरिमा धींग और वंदना बाबेल आदि ने व्यवस्थाओं पर महत्वपूर्ण सुझाव दिए। वहीं, प्रवीण मेहता, पी.सी. कोठारी, अशोक नागोरी, राहुल दक, हिमांशु मेहता, नितिन नागोरी, प्रफुल्ल जारोली, सुरेश भाणावत, मनोज मेहता और करण सिंह कटारिया सहित अन्य सदस्यों ने कार्यक्रम के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। बैठक में महिला सदस्यों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया गया। सचिव डॉ. प्रमिला जैन ने बताया कि तैयारियों की अगली कड़ी में आगामी बैठक 'महावीर साधना एवं स्वाध्याय समिति', अंबा माता में आयोजित की जाएगी, जिसमें विभिन्न समितियों का गठन कर सदस्यों को जिम्मेदारियाँ सौंपी जाएंगी। बैठक में ललित प्रभ सागर जी महाराज के तीन दिवसीय प्रवचन कार्यक्रम को भव्यता के साथ संपन्न कराने के लिए भी विस्तृत चर्चा हुई। ओसवाल सभा कार्य परिषद को प्रचार-प्रसार की महती जिम्मेदारी प्रदान की गई है और सभी सदस्यों को उनके दायित्वों से अवगत कराया गया है।

बाभुलगांव में वार्षिक यात्रा महोत्सव भक्तिभाव से संपन्न

भगवान के महामस्तकाभिषेक के साथ हुआ यात्रा का समापन

छत्रपति संभाजीनगर। श्री 1008 वासुपूज्य दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र बाभुलगांव (पिराचे), तहसील वैजापुर में 16 फरवरी को प्रतिवर्ष की भांति वार्षिक यात्रा महोत्सव का आयोजन किया गया। सिद्धांत चक्रवर्ती आचार्य हेमसागर जी महाराज के आशीर्वाद से आयोजित इस कार्यक्रम में भगवान वासुपूज्य का जन्म कल्याणक महोत्सव भी अत्यंत उत्साहपूर्वक मनाया गया। प्रातः 9 बजे भगवान वासुपूज्य के चित्र की भव्य शोभायात्रा बाभुलगांव नगर में निकाली गई। शोभायात्रा में महिलाएं केसरिया वस्त्रों और पुरुष श्वेत वस्त्रों में सम्मिलित हुए। जगह-जगह श्रद्धालुओं एवं ग्रामवासियों द्वारा पुष्पवर्षा की गई तथा आकर्षक रंगोलियां सजाई गईं। इसके पश्चात पाटनी परिवार (शकुंतला शांतिलाल, अनीता सुशीलकुमार, कविता मनोजकुमार, शुभम हितेश, उत्कर्ष, आदर्श एवं प्रतीक्षा पाटनी) द्वारा धर्म ध्वजारोहण कर यात्रा का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर अजमेरा परिवार (नगीनाबाई बबनलाल, नितिनकुमार, निलेश, रीना, रितिका, मिताली, ईशान, नियति) एवं कासलीवाल परिवार (मनोजकुमार, नीता, तेजल, रौनक) की ओर से महाप्रसाद वितरित किया गया। कार्यक्रम का संचालन राजाबाजार जैन मंदिर के पूर्व सचिव अशोक अजमेरा ने किया तथा मंगलाचरण रुपाली रावका द्वारा प्रस्तुत किया गया। यात्रा में विभिन्न धार्मिक क्रियाओं का सौभाग्य निम्नलिखित परिवारों को प्राप्त हुआः

इंद्र-इंद्राणीः सौ. कीर्ति एवं वर्धमान शिखरचंद पाटनी परिवार।

शांति मंत्रः सौ. नीता प्रकाशचंद एवं नेहा शुभम बडजाते परिवार।

जलाभिषेकः विपीनकुमार, नीलम, उन्नति, प्रज्वल पाटनी परिवार।

इक्षुरस (नितिन माणिकचंद चुडीवाल), नारियल रस (जिनेंद्र दिनेश बाकलीवाल), आम्ररस (मनोजकुमार कासलीवाल), अनार रस (प्रितेश अजमेरा), मौसंबी रस (दिलीपकुमार अजमेरा) और सेब रस (रमेशचंद अजमेरा)। नितिन चुडीवाल, योगेंद्र पाटनी, ललित पापड़ीवाल, किशोर गंगवाल, जितेंद्र कासलीवाल, कैलास पाटनी, राजकुमार पाटनी एवं अमोलकुमार पाटनी परिवार। सर्व औषधि अभिषेक का मान प्रकाशचंद बडजाते परिवार को मिला। चतुर्थ कलश पदमाबाई ठोले और सुगंधित कलश संकेतकुमार पाटनी परिवार द्वारा अर्पित किया गया। भगवान को पालना झुलाने का सौभाग्य प्रियंका पारस झांजरी परिवार को प्राप्त हुआ। इस अवसर पर महावीर सेठी, देवेंद्र काला, विनीत लोहाडे, मनोज गंगवाल, महावीर ठोले, और शिवूर के पूर्व सरपंच नितिन चुडीवाल सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे। महोत्सव को सफल बनाने में दीपचंद अजमेरा, शांतिलाल झांझरी, प्रकाश अजमेरा, दिलीप अजमेरा, नरेंद्र अजमेरा, पवन झांझरी, किरण अजमेरा सहित अजमेरा, झांझरी और कासलीवाल परिवारों के सभी सदस्यों का विशेष सहयोग रहा। यह जानकारी नरेंद्र अजमेरा एवं पियूष कासलीवाल ने साझा की।

इंडोनेशिया में श्रद्धा और आस्था का सदियों बाद भव्य आयोजन, भारतीय प्रवासियों ने मनाया महाशिवरात्रि का ऐतिहासिक उत्सव

आजाद शेरवानी. शाबाश इंडिया

योग्याकार्ता (इंडोनेशिया)। इंडोनेशिया के ऐतिहासिक एवं विश्वप्रसिद्ध प्रम्बानन मंदिर में 15 फरवरी को महाशिवरात्रि का दिव्य एवं भव्य उत्सव अत्यंत श्रद्धा, आस्था और सांस्कृतिक गरिमा के साथ मनाया गया। मधु ललित बाहेती ने बताया कि सदियों बाद इस प्राचीन शिवालय में महाशिवरात्रि का ऐसा आध्यात्मिक आयोजन होना न केवल इंडोनेशिया, बल्कि संपूर्ण विश्व के सनातन अनुयायियों के लिए गर्व और भावविभोर करने वाला क्षण रहा।

यूनेस्को धरोहर में जीवंत हुई आध्यात्मिकता

कार्य संयोजक किरण अरविंद लड्ढा ने बताया कि 9वीं शताब्दी में निर्मित यह भव्य मंदिर परिसर भगवान त्रिमूर्ति—ब्रह्मा, विष्णु और महेश (शिव) को समर्पित है। लगभग 47 मीटर ऊँचा केंद्रीय शिव मंदिर इसकी अद्वितीय वास्तुकला और आध्यात्मिक भव्यता का प्रतीक है। यूनेस्को विश्व धरोहर के रूप में मान्यता प्राप्त यह स्थल आज पुनः 'लिविंग मोन्यूमेंट' के रूप में जीवंत हो उठा है। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर 1008 दीप प्रज्वलित कर भगवान शिव के 1008 नामों का सामूहिक उच्चारण किया गया। डमरू की पवित्र ध्वनि और शिव तांडव की भावपूर्ण प्रस्तुति ने वातावरण को दिव्यता से ओत-प्रोत कर दिया। 'महा गंगा तीर्थ गमन' और अभिषेकम जैसे वैदिक अनुष्ठानों के माध्यम से समस्त विश्व के कल्याण और शांति की कामना की गई। 36 प्रांतों के पवित्र जल के साथ निकाली गई भव्य शोभायात्रा और एक हजार मीटर लंबा राष्ट्रीय ध्वज इस आयोजन का विशेष आकर्षण रहा—जो आध्यात्मिकता और राष्ट्रीय एकता का अद्भुत संगम प्रस्तुत करता है। यह ऐतिहासिक क्षण हाल के वर्षों में भारत सरकार

एवं उससे संबद्ध सामाजिक-सांस्कृतिक संगठनों के सतत प्रयासों का परिणाम है। वर्ष 2022 में विविध वैधानिक प्रक्रियाओं तथा दीर्घ संघर्ष के पश्चात इस मंदिर में पुनः प्राण-प्रतिष्ठा का कार्य संपन्न हुआ।

निकाली भव्य शोभा एवं कलश यात्रा

ऐलनाबाद (रमेश भार्गव). शाबाश इंडिया। शहर के वार्ड नंबर-1 स्थित रेगर मोहल्ला में नवनिर्मित गंगा मैया के मंदिर में मूर्ति स्थापना के उपलक्ष्य में आज भव्य शोभायात्रा एवं कलश यात्रा निकाली गई। शोभायात्रा का शुभारंभ मंदिर प्रांगण से हुआ, जो वाल्मीकि चौक, टिब्बी चौक, चौधरी देवीलाल चौक, ममेरा चौक और पंचमुखी चौक होते हुए सिरसा रोड स्थित 'हरचंद का बास' पहुँची। वहां से वापसी करते हुए यात्रा पुनः मंदिर प्रांगण में संपन्न हुई। पूरे मार्ग में श्रद्धालुओं ने छतों से पुष्प वर्षा कर यात्रा का स्वागत किया। जगह-जगह स्टॉल लगाकर श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

निशुल्क मिर्गी रोग शिविर में 174 रोगी हुए लाभान्वित

गुलाबपुरा (रोहित जैन). शाबाश इंडिया

श्री प्राज्ञ मिर्गी रोग निवारक समिति, गुलाबपुरा द्वारा माह के तृतीय मंगलवार को आयोजित होने वाला मासिक शिविर 17 फरवरी 2026 को संस्था परिसर में संपन्न हुआ। संस्था के मंत्री पदम चंद खटोड़ ने बताया कि शिविर में चिकित्सालय के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. देवी सिंह जी गुप्ता ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं। शिविर में कुल 174 मरीजों का परीक्षण किया गया, जिनमें 24 नए मरीज शामिल थे। सभी मरीजों को परामर्श के साथ निशुल्क दवाइयों का वितरण भी किया गया। आज के शिविर के लाभार्थी स्व. गुलाबचंद एवं स्व. कंचन देवी चोरड़िया की पुण्य स्मृति में रतनलाल, उमरावसिंह, महावीर प्रसाद, महेंद्र कुमार, नरेन्द्र कुमार, अखिल, निखिल, अवनि, कियांश एवं हित्विक चोरड़िया (कोटड़ी वाले, गुलाबपुरा) रहे। इसके साथ ही, शिविर में आए मरीजों एवं उनके परिजनों के लिए पूरे फरवरी माह की भोजन सेवा श्री प्रेमचन्द, माणक चन्द, पवनकुमार, कमलकुमार एवं पुनीतकुमार लुणावत (ब्यावर) द्वारा की गई है, जिससे अब तक 310 से अधिक व्यक्तियों ने लाभ उठाया है। शिविर में अनिल चौधरी ने मरीजों को मिर्गी रोग से बचाव और योग के महत्व के बारे में विस्तार से समझाया। उन्होंने बताया कि नियमित योगाभ्यास से इस रोग के प्रबंधन में बड़ी सहायता मिलती है और मरीजों को इसे अपनी दिनचर्या में शामिल करने पर जोर दिया। संस्था के मंत्री पदम चंद जैन खटोड़ ने संस्था की गतिविधियों की जानकारी दी एवं लाभार्थी परिवार का स्वागत-अभिनंदन किया। कोषाध्यक्ष राजेंद्र चौरड़िया ने सभी का आभार व्यक्त किया। रतनलाल चोरड़िया ने संस्था के सेवा कार्यों की सराहना करते हुए सभी मरीजों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। शिविर में प्राज्ञ संघ (चेन्नई) के कार्याध्यक्ष गौतम चंद चोरड़िया सहित संस्था के मूल चंद नाबेड़ा, मदनलाल लोढ़ा, सुरेश लोढ़ा, प्रेम पाडलेचा, सुशील चौधरी, प्रेम नाहटा, दिलीप पाराशर, दिलीप विश्वकर्मा, राजेंद्र जायसवाल, रामकिशन त्रिपाठी सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं। कार्यक्रम का संचालन अनिल चौधरी ने किया।

महावीर मंदिर स्थापना दिवस पर कलशाभिषेक एवं विधान का भव्य आयोजन

कुचामन सिटी . शाबाश इंडिया

डीडवाना रोड स्थित श्री 1008 भगवान महावीर दिगंबर जैन मंदिर की स्थापना की 14वीं वर्षगाँठ आज श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ मनाई गई। अध्यक्ष लालचन्द पहाड़िया ने बताया कि संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर जी महाराज के आशीर्वाद एवं 'जंगल वाले बाबा' चिन्मयसागर जी महाराज के सानिध्य में निर्मित इस मंदिर के प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव के 14वें वर्ष में प्रवेश के अवसर पर विशेष वार्षिक उत्सव आयोजित किया गया। सचिव मुकेश काला ने बताया कि प्रातः 7 बजे मूलनायक भगवान महावीर की 7.25 फुट ऊँची प्रतिमा का 51 श्रावकों द्वारा सामूहिक अभिषेक किया गया। शांतिधारा करने का सौभाग्य निम्नलिखित परिवारों को प्राप्त हुआ:

प्रथम जलाभिषेकः मंजू देवी, विमल, मुकेश, अमित काला परिवार। भगवान महावीर की प्रथम शांतिधाराः अशोक कुमार, दिलीप, सुनील, अनिल, आशीष, अंकित काला परिवार।

द्वितीय शांतिधाराः लालचंद, कमल कुमार, सुभाष, सुनील, पीयूष, वीर पहाड़िया परिवार। आदिनाथ भगवान की प्रथम शांतिधाराः विमलचंद जी, विनय कुमार जी, विकास जी पहाड़िया परिवार। भगवान शांतिनाथ की प्रथम शांतिधाराः श्रीमती कांता देवी, नवीन कुमार, अनिल कुमार काला परिवार। अभिषेक के पश्चात पंच परमेष्ठी विधान आयोजित किया गया। विधान में मंगल कलश स्थापना एवं दीप प्रज्वलन चिरंजीलाल, अशोक कुमार, भव्य कुमार पाटोदी परिवार द्वारा किया गया। विधान सुरेश कुमार जी पांड्या के सानिध्य में संपन्न हुआ, जिसमें सभी श्रावक-श्राविकाओं ने भक्तिभाव से भाग लिया।

जेएलएन अस्पताल में लीवर ट्यूमर का लैप्रोस्कोपिक तकनीक से सफल ऑपरेशन

अजमेर (रोहित जैन). शाबाश इंडिया

जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय (जेएलएन अस्पताल) के सर्जरी विभाग ने एक 43 वर्षीय महिला मरीज के लीवर में मौजूद बड़े ट्यूमर का लैप्रोस्कोपिक (दूरबीन) तकनीक द्वारा सफल ऑपरेशन कर महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है।

केस हिस्ट्री और निदान

मरीज राधा देवी (परिवर्तित नाम) पिछले 2-3 महीनों से पेट दर्द और पेट में गांठ की समस्या से परेशान थीं। कई अस्पतालों में राहत न मिलने के बाद उन्होंने जेएलएन अस्पताल में सर्जरी विभागाध्यक्ष एवं लैप्रोस्कोपिक सर्जन डॉ. शिवकुमार बुनकर से परामर्श लिया। सीटी स्कैन में लीवर में लगभग 10.108 सेंटीमीटर की एक बड़ी गांठ पाई गई, जिसने लीवर के एक बड़े हिस्से को प्रभावित कर रखा था। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए चिकित्सकों ने तुरंत ऑपरेशन का निर्णय लिया। डॉ. बुनकर और उनकी टीम ने डॉ. श्याम भूतड़ा के मार्गदर्शन में सटीक योजना बनाकर दूरबीन द्वारा ऑपरेशन किया। इस दौरान गांठ के साथ लीवर का प्रभावित हिस्सा भी सुरक्षित रूप से निकाला गया (जिसे मेडिकल भाषा में 'लीवर रिसेक्शन' कहते हैं)। यह प्रक्रिया अत्यंत जटिल मानी जाती है क्योंकि इसमें अत्यधिक रक्तस्राव (ब्लीडिंग) का खतरा रहता है। करीब 3 घंटे चले इस ऑपरेशन के दौरान पित्त की थैली (गॉलब्लैडर) को भी सफलतापूर्वक निकाल दिया गया। जेएलएन अस्पताल में इस प्रकार का 'लीवर रिसेक्शन' पहली बार दूरबीन द्वारा सफलतापूर्वक किया गया है। सामान्यतः ऐसी सर्जरी केवल मेट्रो शहरों के बड़े निजी अस्पतालों में ही संभव हो पाती है। यह जटिल ऑपरेशन मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य (मा) योजना के तहत पूर्णतः निःशुल्क किया गया। निजी अस्पतालों में इस तरह के ऑपरेशन का खर्च लगभग 4 से 5 लाख रुपए आता है, जो जेएलएन अस्पताल में गरीब मरीजों के लिए वरदान साबित हो रहा है।

सर्जरी टीम: डॉ. शिवकुमार बुनकर, डॉ. नरेश, डॉ. हितेश शर्मा एवं डॉ. कौशल।

एनेस्थीसिया टीम: डॉ. अरविंद खरे (विभागाध्यक्ष), डॉ. पूजा माथुर, डॉ. कुलदीप एवं डॉ. दीपिका।

पोस्ट-ऑपरेटिव केयर: डॉ. अनिल सामरिया (मेडिकल टीम हेड)।

ओटी स्टाफ: गीता सिस्टर, संजू सिस्टर एवं प्रतिभा सिस्टर।

विभागाध्यक्ष डॉ. शिवकुमार बुनकर ने बताया, 'यह एक 'मिनिमल इनवेसिव' प्रक्रिया थी। दूरबीन द्वारा सर्जरी करने से मरीज के शरीर पर बड़ा चीरा नहीं लगाना पड़ता, जिससे रिकवरी तेजी से होती है और संक्रमण का खतरा कम रहता है। समय पर ऑपरेशन होने से मरीज की जान का खतरा टल गया है और वे अब पूर्णतः स्वस्थ हैं।'

इनर व्हील क्लब एवं महिला बाल विकास विभाग के संयुक्त प्रयास से 'अन्नप्राशन' संस्कार संपन्न

अशोकनगर. शाबाश इंडिया। एकीकृत महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 20 (केंद्र क्रमांक 60) में बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य और पोषण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से 'अन्नप्राशन' कार्यक्रम का गरिमामय आयोजन किया गया। जिला कार्यक्रम अधिकारी चंद्रसेन भिड़े के कुशल मार्गदर्शन एवं सुपरवाइजर प्रियंका के नेतृत्व में संपन्न हुए इस कार्यक्रम में सामाजिक संस्था 'इनर व्हील क्लब' का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ समन्वयक कार्यकर्ता मीना जैन द्वारा अतिथियों के तिलक व माल्यार्पण के साथ हुआ, जिसके पश्चात उन्होंने आयोजन की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की। इस अवसर पर क्लब की वरिष्ठ सदस्या इंदु गांधी ने बच्चों के शुरूआती पोषण की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि 6 माह की आयु के पश्चात बच्चों को ऊपरी आहार देना उनके शारीरिक और मानसिक विकास के लिए अनिवार्य है। महिला बाल विकास की ब्लॉक कोऑर्डिनेटर अर्चना नामदेव ने उपस्थित महिलाओं को शासन की विभिन्न जन-कल्याणकारी योजनाओं और बाल-देखभाल के प्रति प्रेरित किया। आयोजन के दौरान इनर व्हील क्लब की ओर से बच्चों को उपहार स्वरूप कंबल एवं अन्य आवश्यक सामग्री वितरित की गई। कार्यक्रम को सफल बनाने में अनीता जैन और अनुष्का जैन का विशेष सहयोग रहा। क्लब की समस्त सदस्याओं और वार्ड की महिलाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर इस सामाजिक पहल को सार्थक बनाया।

शिक्षक गुरुदीन वर्मा द्वारा नांदिया बालिका विद्यालय को स्मार्ट टीवी और साउंड स्पीकर भेंट

पिंडवाड़ा (सिरोही). शाबाश इंडिया। ब्लॉक पिंडवाड़ा के निकटवर्ती गाँव नांदिया में एक प्रेरणादायक पहल देखने को मिली। स्थानीय राजकीय बालिका उच्च प्राथमिक विद्यालय में कार्यरत शिक्षक गुरुदीन वर्मा द्वारा विद्यालय को एक स्मार्ट टीवी और साउंड स्पीकर भेंट किया गया। शिक्षक वर्मा ने बताया कि विद्यालय में कक्षा 8वीं की छात्राओं के विदाई समारोह को 'मंगलकामना दिवस' के रूप में आयोजित किया गया था। इसी अवसर पर उन्होंने 43 इंच की स्मार्ट टीवी और साउंड स्पीकर विद्यालय को समर्पित किया। उल्लेखनीय है कि उन्होंने गत वर्ष विद्यालय के वार्षिकोत्सव में स्मार्ट टीवी देने की घोषणा की थी, जिसे आज उन्होंने साकार किया। इस अवसर पर आमंत्रित अतिथियों–पूर्व सरपंच सूजाराम, सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक सुभाष रावल, बलराज सिंह एवं विद्यालय के प्रधानाध्यापक जयंती लाल माली द्वारा शिक्षक वर्मा का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया और उन्हें 'भामाशाह सम्मान पत्र' देकर सम्मानित किया गया। शिक्षक गुरुदीन वर्मा, जो मूलतः बारां जिले के निवासी हैं, शिक्षा के प्रति समर्पित रहे हैं। वे इससे पूर्व अपनी जन्मभूमि के विद्यालय और वर्तमान पदस्थापित विद्यालय को भी स्मार्ट टीवी भेंट कर चुके हैं। इस वर्ष उन्होंने: खाखरवाड़ा विद्यालय को प्रिंटर भेंट किया। अपने विद्यालय को 75 पोषाहार थालियाँ प्रदान कीं। पिछले वर्ष अपने विद्यालय के प्राथमिक परिसर के बरामदे और हॉल का रंग-रोगन भी करवाया।

शिक्षक होने के साथ-साथ वर्मा एक प्रतिष्ठित साहित्यकार भी हैं। उनके द्वारा अब तक 3000 से अधिक रचनाओं का सृजन किया जा चुका है। वे 300 से अधिक सम्मान पत्र प्राप्त कर चुके हैं और 200 से अधिक साझा काव्य संग्रहों तथा 25 से अधिक प्रमुख समाचार पत्रों में उनकी रचनाएं प्रकाशित हो चुकी हैं। इस गरिमामय कार्यक्रम में शिक्षक धनराज लोहार, गणेश कुमार गुर्जर, सांकलाराम देवासी, नरेन्द्र सिंह, शिक्षिका सुषमा चौधरी, पिंकी पटेल, साधना मीणा, नर्मदा मीणा एवं अनेक ग्रामवासियों ने उनके इस नेक कार्य की मुक्त कंठ से प्रशंसा की।

श्री शांतिनाथ मंडल विधान का हुआ भव्य आयोजन

विश्व शांति की कामना हेतु श्रद्धालुओं ने की भक्तिभाव से शांतिधारा

निवाई. शाबाश इंडिया

वात्सल्य वारिधि आचार्य वर्धमान सागर महाराज की पावन प्रेरणा से, विश्व में शांति और मंगल की कामना हेतु सकल दिगंबर जैन समाज के तत्वावधान में मंगलवार को श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में 'श्री शांतिनाथ मंडल विधान' का भव्य आयोजन किया गया। जैन समाज के प्रवक्ता विमल पाटनी जौंला ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ पंडित सुरेश कुमार शास्त्री के निर्देशन में हुआ। प्रातः काल भगवान शांतिनाथ का अभिषेक, पंचामृत अभिषेक एवं शांतिधारा संपन्न की गई। इसके पश्चात सौधर्म इंद्र ओमप्रकाश, सतीशचन्द, महेन्द्रकुमार, चेतन कुमार, खेमचन्द, जितेन्द्रकुमार व चन्द्रप्रकाश चंवरिया ने मंडल विधान के दौरान मंडप पर 132 श्रीफल (अर्ध्य) समर्पित किए। भक्ति भजनों के बीच श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक नृत्य कर अपनी श्रद्धा प्रकट की। इसी प्रकार, जैन नसियां मंदिर में भी विशेष धार्मिक क्रियाएं संपन्न हुईं। महेंद्र चंवरिया, विमल पाटनी, त्रिलोक रजवास और ज्ञानचंद सोगानी सहित कई श्रद्धालुओं ने 41 फुट ऊँचे मानस्तंभ की चारों दिशाओं में विराजमान भगवान आदिनाथ, भगवान चंद्रप्रभु, भगवान शांतिनाथ एवं भगवान महावीर स्वामी की जिन-प्रतिमाओं का अभिषेक किया। इस अवसर पर तीर्थंकरों की विशेष पूजा-अर्चना करते हुए अष्ट द्रव्य से अर्ध्य चढ़ाए गए। मोक्ष कल्याणक के पावन अवसर पर महिला महासमिति (निवाई) की अध्यक्ष शशी सोगानी के नेतृत्व में शकुंतला छाबड़ा, मैना सोगानी, संगीता संघी, संजू जौंला, उर्मिला सोगानी, अनीता हरभगतपुरा और सीमा सेदरिया सहित अनेक महिलाओं ने भगवान के चरणों में निर्वाण लाडू चढ़ाकर पूजा-अर्चना की। इस धार्मिक महोत्सव में महावीर प्रसाद छाबड़ा, विमल सोगानी, सुनील भाणजा, मनोज पाटनी, विष्णु बोहरा, अमित कटारिया, नरेश बडागांव, ऋषभ भाणजा, राकेश संघी, हितेश छाबडा, अमित सिरस, अजीत काला, दीपक पराणा, विनय जैन व बंटी झांझरी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

तृतीय पुण्य स्मृति दिवस : डॉ. संजीव जी गोधा

किससे अब मैं क्या कहूं, फिर से हम छले गए।
बाट जोहते रहे हम, तुम तो यूं चले गए।।

कहां गई वो गर्जना मिथ्यात्व पर प्रहार था.
सत्य का ही पक्ष था, सत्य का प्रचार था।
तुम तो मर के जी गए, हम तो जी के मर रहे।।

थी अजब कशिश तुम्हारे, हाव-भाव शब्द में।
शब्द सारे मौन हैं, वे स्वयं निःशब्द हैं।
वाचाल भी तो मौन है, मौन भी मुखर हुए।

सौम्य था वदन तुम्हारा, यूं भुला पाता नहीं।
जैसे तुम चले गए यूं कोई जाता नहीं।
आत्म तत्व ही सहाय, तुम सिखा अमर भये.

मौत देख डर गई, क्या अजब ये जीव है।
मृत्यु देख कह उठी, यह तो संजीव है.
जीना भी सिखा गए, मरना भी बता गए.

काल की ये क्रूरता प्रत्येक पल जगा रही।
संयोग की असारता सामने दिखा रही.
कौन कहता मर गए मरके वे अमर भये.

अट्टहास मृत्यु का देखकर डरे नहीं
मोह राग द्वेष कीच में भी तुम पड़े नहीं.
काल भी नमन करे स्वयं में वे चले गए.

मैं हूं सिद्ध वंश का भूल मैं भटक रहा।
देह - भोग और संयोग मोह में अटक रहा।
तुम तो सीख कर गए, हमें भी सिखा गए.

जिनको संग समझ रहे थे, वे स्वयं असंग थे.
संयोग सारे निःसहाय, सामने प्रसंग है ये.
अपने में ही यूं रमे, यूं कभी रमे नहीं।

- डॉ. विराग शास्त्री जबलपुर

जीतो लेडीज विंग ने स्वास्थ्य एवं पोषण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया

महिलाओं को सिखाए 'रसोई से स्वास्थ्य तक' के गुर

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

जीतो लेडीज विंग, भीलवाड़ा द्वारा 'जीतो प्रोफेशनल फोरम' एवं 'हेल्थ एंड न्यूट्रिशन' पहल के अंतर्गत मंगलवार को वैदिक गार्डन (कुमुद विहार-1) में स्वास्थ्य एवं पोषण जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं एवं परिवारों में संतुलित आहार, प्राकृतिक स्वास्थ्य और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम के अंतर्गत 'स्वस्थ जीवन हेतु पोषक आहार' तथा 'रसोई से स्वास्थ्य तक' विषयों पर दो महत्वपूर्ण सत्र आयोजित किए गए। लेडीज विंग चेयरपर्सन नीता बाबेल ने स्वागत उद्बोधन देते हुए कहा कि बदलती जीवनशैली और अनियमित खानपान के कारण स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ बढ़ रही हैं। ऐसे में सही पोषण की जानकारी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने जोर दिया कि ऐसे कार्यक्रम महिलाओं को परिवार के 'स्वास्थ्य संरक्षक' की भूमिका में और अधिक सक्षम बनाते हैं। मुख्य वक्ता डॉ. आशिता मारू (पोषण विशेषज्ञ एवं हेल्थ कोच) ने दैनिक जीवन में उपयोग होने वाले पौष्टिक खाद्य पदार्थों, संतुलित आहार की संरचना और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के प्राकृतिक उपायों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि: बिना कठोर 'डाइटिंग' के भी संतुलित पोषण अपनाकर सक्रिय जीवन जिया जा सकता है। रसोई घर की संरचना ऐसी होनी चाहिए जो स्वास्थ्य का आधार बने। साबुत अनाज, हरी सब्जियों और प्राकृतिक खाद्य पदार्थों को प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने व्यावहारिक उदाहरणों के साथ स्वास्थ्यवर्धक व्यंजन, पौष्टिक जूस और ऊर्जा देने वाले पेय पदार्थों के लाभ भी समझाए। कन्वीनर डॉ. निधि चौधरी ने अपने उद्बोधन में कहा कि संतुलित भोजन अपनाकर मधुमेह, मोटापा और उच्च रक्तचाप जैसे रोगों से बचाव संभव है। उन्होंने भोजन को औषधि के रूप में अपनाने और स्वस्थ आदतों को दिनचर्या में शामिल करने पर बल दिया। वास्थ्य संबंधी प्रश्न पूछकर विशेषज्ञ से शंका समाधान किया। मुख्य सचिव अर्चना पटौदी ने सभी का आभार व्यक्त किया। जयन्ती अजमेरा, सरिता शाह, शोभिका खजांची, लाड जी मेहता, प्रियंका अग्रवाल, सीमा पाटोदी, अल्का मारू, अनीता डांगी, हनी चौधरी, अंजुला डांगी, रजनी डोसी, मोनिका जैन, कला पगारिया, सोनिका सिंघवी, रीना सिसोदिया, सुनीता पीपाड़ा, नेहा पोखरना, अनु मोदी, मंजू मारू, रेखा जैन, अंशु लोढ़ा, मंजू चपलोत, दीपिका पाटनी, किरण जगेटिया, कीर्ति बोरदिया, नीरू अजमेरा, शशि अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित रहीं।

जेसीआई कोटा शक्ति की इंस्टालेशन सेरेमनी : प्रियंका गुप्ता अध्यक्ष, प्रीना तांबी सचिव और ज्योति माहेश्वरी बनीं कोषाध्यक्ष

आजाद शेरवानी. शाबाश इंडिया

कोटा। जेसीआई कोटा शक्ति की 9वीं 'इंस्टॉलेशन सेरेमनी' (पदभार ग्रहण समारोह) अत्यंत गरिमामय वातावरण में आयोजित की गई। समारोह में जोन-5 के अध्यक्ष सीए बी.के. डाड मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में रीजन-बी के इंस्टॉलेशन ऑफिसर शिवांग सिंह सोलंकी ने विधिवत शपथ ग्रहण प्रक्रिया संपन्न कराई। समारोह के दौरान वर्ष 2026 के लिए नवनिर्वाचित अध्यक्ष प्रियंका गुप्ता को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। उनकी टीम में सचिव प्रीना तांबी तथा कोषाध्यक्ष ज्योति माहेश्वरी ने भी अपने पद की शपथ ग्रहण की। अध्यक्ष पद की शपथ लेने के पश्चात प्रियंका गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा कि वे अपने कर्तव्यों एवं समाज के प्रति दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ करेंगी। उन्होंने संकल्प व्यक्त किया कि वे अपनी टीम के साथ मिलकर सामाजिक कार्यों में सक्रिय योगदान देंगी। इस अवसर पर मेंटर्स विनीता राठी, रश्मि राठौर व दीप्ति अग्रवाल की गरिमामयी उपस्थिति रही। साथ ही पूर्व अध्यक्ष दिव्या गर्ग, राधिका अग्रवाल एवं मंजू खंडेलवाल भी समारोह में मौजूद रहीं। इंस्टॉलेशन ऑफिसर द्वारा नए सदस्यों को भी संगठन के सिद्धांतों के प्रति निष्ठा की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम की प्रोजेक्ट डायरेक्टर रुचिता जैन ने बताया कि पूर्व अध्यक्ष रिचा गुप्ता ने वर्ष 2025 में उत्कृष्ट कार्य करने वाले सदस्यों को सम्मानित किया तथा नई टीम को आगामी वर्ष के सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएँ प्रदान कीं। यह समारोह उत्साह, सम्मान एवं नई ऊर्जा के साथ संपन्न हुआ।

पदम प्रभु महिला मंडल बापू नगर द्वारा फागोत्सव मिलन समारोह आयोजित

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

बापू नगर स्थित श्री पदम प्रभु दिगंबर जैन मंदिर परिसर में पदम प्रभु महिला मंडल द्वारा 'फागोत्सव मिलन समारोह' उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम के प्रारंभ में मंडल की पदाधिकारी, पुण्यार्जक एवं अतिथिगण—मंजूषा जैन, सरिता जैन, कल्पना सोगानी, कमलेश सेठी, अलका शाह, सुनीता कासलीवाल, निर्मला सेठी, निशा जैन, रेणू अग्रवाल, बीना अग्रवाल, ट्रस्ट अध्यक्ष लक्ष्मीकांत जैन एवं प्रचार मंत्री प्रकाश पाटनी का तिलक लगाकर, माल्यार्पण एवं दुपट्टा पहनाकर भव्य स्वागत किया गया। अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में टीना पाटोदी ने नृत्य द्वारा मंगलाचरण प्रस्तुत किया। नन्हीं बालिकाओं ने 'म्हारो रंगीलो राजस्थान' के बोल पर आकर्षक नृत्य किया, वहीं श्वेता पाटनी, मोनिका पाटनी, मोना पाटनी और मीनू पाटनी ने मनमोहक ग्रुप डांस की प्रस्तुति दी। समारोह का मुख्य आकर्षण राधा-कृष्ण का स्वरूप रहा। जैसे ही हाथ में बांसुरी लिए राधा-कृष्ण समारोह स्थल पर पहुँचे, श्रद्धालुओं ने उन पर फूलों की वर्षा कर स्वागत किया। इसके पश्चात महिलाओं ने मधुर संगीत की धुनों पर राधा-कृष्ण के साथ भक्ति नृत्य कर माहौल को कृष्णमय बना दिया। अध्यक्ष सरिता जैन ने अपने संबोधन में कहा कि फागोत्सव केवल रंगों का त्यौहार नहीं, बल्कि भक्ति, प्रेम और आध्यात्मिक आनंद का उत्सव है। यह उत्सव हमारे भीतर के विकारों को त्याग कर आत्मशुद्धि करने और प्रभु के प्रेम रंग में रंगने का संदेश देता है। उल्लास केवल बाहरी नहीं, बल्कि आत्मिक होना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान कमलेश सेठी एवं अलका शाह ने 'धार्मिक तंबोला' एवं 'चेयर रेस' जैसे मनोरंजक खेल आयोजित किए। समापन पर सभी के माथे पर गुलाल का तिलक लगाया गया और सभी महिलाओं ने सामूहिक रूप से भक्ति संगीत पर नृत्य करते हुए फागोत्सव का भरपूर आनंद उठाया। समारोह का संचालन कल्पना सोगानी ने किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में महिलाएँ, पुरुष और युवा उपस्थित रहे।

विश्व शांति के लिए महायज्ञों से वातावरण शुद्ध होता है: मुनि पुंगव श्री सुधासागर जी महाराज

बगला चौराहे पर नवनिर्मित मंदिर में विराजमान होगी भगवान पार्श्वनाथ की विशाल प्रतिमा : विजय धुर्रा

खनियांधाना/अशोकनगर. शाबाश इंडिया

अशोकनगर जिले की सीमा पर स्थित खनियांधाना में आध्यात्मिक संत, निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्री सुधासागर जी महाराज ससंघ के पावन सानिध्य में आयोजित श्रीमद् जिनेंद्र पंचकल्याणक महोत्सव एवं विश्व शांति महायज्ञ संपन्न हो रहा है। इस महोत्सव में अशोकनगर जैन समाज के प्रतिनिधिमंडल ने सहभागिता कर मुनि श्री को श्रीफल भेंट किया। प्रतिष्ठाचार्य प्रदीप भैया (सुयश), अशोकनगर के मंत्रोच्चार के बीच सौधर्म इंद्र, ईशान, सनत कुमार, महेंद्र इंद्र और कुबेर इंद्र सहित महायज्ञ नायकों ने सवा करोड़ मंत्रों के साथ आहुतियाँ समर्पित कीं। जैन समाज के मंत्री विजय धुर्रा ने खनियांधाना से लौटकर बताया कि पिछले सात दिनों से चल रहे इस गजरथ महोत्सव में भाग लेना बड़े पुण्य का कार्य है। उन्होंने जानकारी दी कि अशोकनगर के बगला चौराहे पर नवनिर्मित मंदिर में भगवान पार्श्वनाथ की जिस विशाल प्रतिमा की स्थापना होनी है, उसकी प्रतिष्ठा इसी

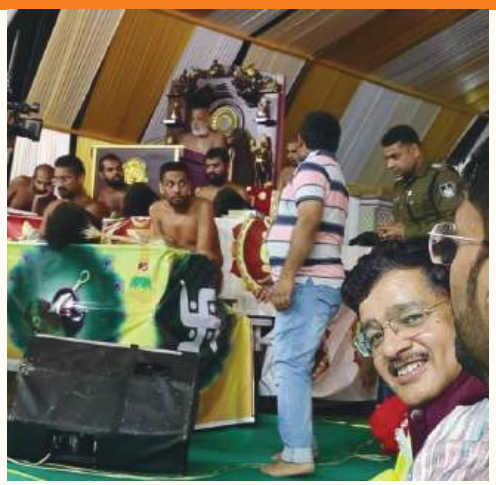

महोत्सव में संपन्न हो रही है। आज अशोकनगर, मुंगावली, शाढ़ौरा, पिपरई, चंदेरी, ईसागढ़ और कदवाया सहित पूरे जिले से बड़ी संख्या में भक्त उमड़े हैं। इस अवसर पर महामंत्री राकेश अमरोद, विपिन सिंघई, शैलेंद्र दादा, हेमंत टडैया, मनोज लल्ला, सौरभ बाझल, सुनील मामा, सचिन एनएस, रीनू जैन, राहुल खजूरिया, शालू भारत, आलोक रानीपुर, गोलू बाझल, मोनू जैन सीमेंट, ओपी धुर्रा, अनिल जैन और विनोद विजयपुरा सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे। जिले का सबसे पुराना सेवा

दल, 'श्री दिगंबर जैन वीर सेवा दल' (मुंगावली), अपने दिव्य घोष (बैंड) के कारण आकर्षण का केंद्र रहा। सेवा दल को गजरथ के आगे और मुनि श्री सुधासागर जी महाराज के समक्ष वादन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। चंद्र कुमार मोदी, अरविंद जैन, अशोक सर्राफ, काली मोदी और मुकेश जैन सहित पूरे दल ने उत्साहपूर्वक जयघोष किया। धर्मसभा को संबोधित करते हुए मुनि श्री सुधासागर जी महाराज ने कहा कि विश्व शांति महायज्ञ में मंत्रों के साथ समर्पित आहुतियों से न केवल वातावरण शुद्ध होता है, बल्कि पर्यावरण को स्वच्छ बनाना भी हम सबका कर्तव्य है। उन्होंने जिज्ञासा का महत्व समझाते हुए कहा कि श्रोता हमेशा वक्ता के अनुभव और ज्ञान को सुनना चाहते हैं। मुनि श्री ने कहा, समवशरण की विशेषता है कि वहां जिज्ञासा का समाधान तत्काल होता है। भगवान महावीर स्वामी की दिव्य ध्वनि 66 दिनों तक नहीं खिरी क्योंकि उस समय किसी के मन में कोई प्रश्न ही नहीं उठा। वास्तव में, भगवान का नाम लेते ही समस्याओं का समाधान स्वतः होने लगता है।

उपायुक्त डॉ. मुनीष नागपाल ने 189 दिव्यांगजनों को वितरित किए सहायक उपकरण

1 करोड़ 9 लाख रुपये के उपकरणों से दिव्यांगजनों के जीवन में आएगा सकारात्मक बदलाव

हिसार (राजेश सलूजा). शाबाश इंडिया

सरकार की पहल से दिव्यांगजनों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आ रहा है। सहायक उपकरण वितरण जैसे कार्यक्रम दिव्यांगजनों के अधिकारों को सुनिश्चित करने और उन्हें समाज में समान अवसर प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं। यह विचार उपायुक्त डॉ. मुनीष नागपाल ने नई अनाज मंडी परिसर में आयोजित 'दिव्यांगजन सहायक उपकरण निःशुल्क वितरण समारोह' को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। उपायुक्त ने कहा कि प्रशासन हर साल जरूरतमंद दिव्यांगजनों को एपीसीपीएल झज्जर और एलिम्को कंपनी के सहयोग से सहायक उपकरण प्रदान करता है। सरकार की यह पहल दिव्यांगजनों के जीवन में नई ऊर्जा का संचार करती है और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने में सहायक सिद्ध होती है। डॉ. नागपाल ने बताया कि रेड क्रॉस सोसाइटी द्वारा आयोजित विशेष शिविरों में कुल 526 दिव्यांगजनों का पंजीकरण किया गया था।

प्रथम चरणः आज 189 लाभार्थियों को उनकी आवश्यकतानुसार 1 करोड़ 9 लाख रुपये के उपकरण वितरित किए गए हैं।

द्वितीय चरणः शेष पंजीकृत दिव्यांगजनों को अगले चरण में उपकरण प्रदान किए जाएंगे।

इस अवसर पर अरावली पावर कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी दिलीप करबोता, एलिम्को के महाप्रबंधक अजय चौधरी, एस.के. रथ, रेडक्रॉस सोसाइटी के सचिव बलवान सिंह एवं लेखा अधिकारी सोमबीर सहित बड़ी संख्या में लाभार्थी और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

योग्य की उपेक्षा और अयोग्य का उत्थान, पतन की शुरूआत

नितिन जैन. शाबाश इंडिया

जब किसी भी संस्था, समाज या संगठन में योग्य व्यक्ति की जगह अयोग्य व्यक्ति को बैठा दिया जाता है, तो सबसे पहले उस पद की गरिमा कम होती है। पद स्वयं कभी छोटा नहीं होता, उसे छोटा या बड़ा बनाने वाला उस पर बैठा व्यक्ति होता है। यदि निर्णय क्षमता, विवेक, संयम और नैतिक बल कमजोर हो, तो बड़े से बड़ा पद भी अपनी चमक खो देता है। ऐसे में निर्णय कमजोर पड़ते हैं, पक्षपात बढ़ता है और व्यवस्था धीरे-धीरे ठोकरें खाने लगती है। अयोग्यता जब अधिकार के साथ जुड़ जाती है, तो वह केवल स्वयं का नहीं, पूरी व्यवस्था का नुकसान करती है। सबसे बड़ी समस्या तब पैदा होती है जब अयोग्य व्यक्ति घमंड में चूर हो जाता है। उसे लगता है कि वही अंतिम सत्य है, वही सबसे अधिक समझदार है। वह हर असहमति को विद्रोह समझता है और हर योग्य व्यक्ति को अपने लिए खतरा मानता है। परिणामस्वरूप वह दूसरों को अयोग्य घोषित करने में लग जाता है ताकि उसकी कुर्सी सुरक्षित रहे। इस प्रक्रिया में सच्ची प्रतिभा हतोत्साहित होती है, ईमानदार लोग किनारे कर दिए जाते हैं और चाटुकारिता को बढ़ावा मिलता है। यह स्थिति किसी भी समाज के लिए घातक होती है। यह बात धार्मिक संस्थाओं और विशेषकर जैन साधुओं के गच्छ पर भी लागू होती है। गच्छ का उद्देश्य आत्मशुद्धि, संयम और समाज मार्गदर्शन है, न कि व्यक्तिगत अहंकार की तुष्टि। जब नेतृत्व योग्य, विनम्र और शास्त्रसम्मत होता है, तो गच्छ समाज के लिए प्रेरणा बनता है। लेकिन जब नेतृत्व अहंकार, पक्षपात और निजी स्वार्थ से संचालित होने लगे, तो साधु-संस्था दोनों की प्रतिष्ठा पर प्रश्नचिह्न लग जाते हैं। कुछ लोग स्वयं को गच्छ का मालिक समझने लगते हैं, जबकि वास्तव में वे केवल उत्तरदायित्व निभाने के लिए नियुक्त होते हैं। धर्म में पद सेवा का माध्यम है, स्वामित्व का प्रमाण नहीं। यदि चयन योग्यता के आधार पर न होकर समीकरणों, समूहबंदी या दबाव के आधार पर हो, तो उसके दुष्परिणाम दूर तक जाते हैं। समाज में भ्रम फैलता है, श्रद्धा डगमगाती है और नई पीढ़ी का विश्वास कमजोर होता है। इसलिए आवश्यक है कि हर संस्था आत्ममंथन करे। पद पर वही बैठे जो संयम, अध्ययन, विनम्रता और निर्णय क्षमता में श्रेष्ठ हो। योग्यता का सम्मान और अयोग्यता पर संयमित नियंत्रण ही व्यवस्था को स्थिर रख सकता है। अन्यथा इतिहास गवाह है कि जहाँ योग्य की उपेक्षा हुई है, वहाँ पतन निश्चित हुआ है।

झोटवाड़ा श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में श्रमण संस्कृति स्वाध्याय पाठ्यक्रम मीटिंग आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया

झोटवाड़ा स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में रविवार, 15 फरवरी 2026 को प्रातः 10:00 बजे समाज के सभी साधर्मी बंधुओं के साथ एक महत्वपूर्ण मीटिंग का आयोजन किया गया। यह मीटिंग 'द्वादशवर्षीय श्रमण संस्कृति स्वाध्याय पाठ्यक्रम' एवं परीक्षा से संबंधित जानकारी देने तथा नए विद्यार्थियों के अभिनंदन हेतु धर्मशाला के एसी हॉल में आयोजित की गई।

40 से अधिक विद्यार्थियों ने कराया पंजीकरण

संयोजिका नीता पाटनी एवं सुमन बढ़जात्या ने बताया कि इस पाठ्यक्रम के प्रति समाज में भारी उत्साह देखा गया और मीटिंग के दौरान ही लगभग 40 से अधिक नए विद्यार्थियों ने अपना रजिस्ट्रेशन (पंजीकरण) करवाया। श्रमण संस्कृति संस्थान, सांगानेर से आए हुए विद्वानों एवं प्रोफेसर साहब ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए स्वाध्याय की सही विधि और उसके आध्यात्मिक लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने नीता पाटनी एवं सुमन बढ़जात्या की सराहना करते हुए कहा कि इतने अल्प समय में 40 से अधिक विद्यार्थियों को जोड़ना एक अत्यंत सराहनीय और अनुकरणीय कार्य है।

गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति

इस अवसर पर जैन समाज के अनेक गौरवशाली व्यक्तित्व एवं विद्वान उपस्थित रहे, जिनमें मुख्य हैं:

पदम जी बिलालाः प्रमुख समाजसेवी एवं समाज गौरव

प्रोफेसर अरुण जैनः संयुक्त निदेशक, श्रमण संस्कृति संस्थान, सांगानेर

सुरेश जी कासलीवालः श्रमण संस्कृति संस्थान, सांगानेर

डॉ. पं. किरण प्रकाश जी शास्त्रीः कार्यक्रम प्रभारी। इसके अतिरिक्त जनकपुरी दिगंबर जैन मंदिर से राजेंद्र ठोलिया एवं ताराचंद गोधा तथा श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर, झोटवाड़ा से अध्यक्ष अजय काला, मंत्री नवीन जैन, पूर्व अध्यक्ष धीरज कुमार पाटनी, निर्मल पांड्या और महिला मंडल अध्यक्ष अल्पना जैन सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने भगवान पद्मप्रभ के किए दर्शन

वात्सल्य वारिधि पंचम पट्टाचार्य वर्धमान सागर महाराज से लिया आशीर्वाद

बाड़ा पदमपुरा. शाबाश इंडिया

राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया ने मंगलवार सायंकाल श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र 'बाड़ा पदमपुरा' पहुँचकर मूलनायक भगवान पद्मप्रभ के दर्शन किए। इस दौरान उन्होंने प्रदेश में सुख-शांति, समृद्धि और खुशहाली की मंगल कामना की।

आचार्य श्री से आध्यात्मिक चर्चा

मीडिया प्रभारी विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि श्रीमती राजे ने क्षेत्र पर ससंघ विराजमान वात्सल्य वारिधि आचार्य वर्धमान सागर महाराज एवं गणिनी आर्यिका स्वस्तिभूषण माताजी के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इससे पूर्व उन्होंने मंदिर जी में भगवान पद्मप्रभ की आरती उतारी। श्रीमती राजे लगभग 2 घंटे पदमपुरा क्षेत्र में रहीं, जहाँ उन्होंने आचार्य श्री के साथ देश-प्रदेश की खुशहाली, धर्म एवं अहिंसा के सिद्धांतों पर विस्तृत चर्चा की।

क्षेत्र कमेटी ने किया भव्य स्वागत

अतिशय क्षेत्र कमेटी की ओर से अध्यक्ष सुधीर कुमार जैन, मानद मंत्री हेमंत सोगानी, राज कुमार कोठ्यारी और सुरेश सबलावत आदि ने श्रीमती राजे का भावभीना स्वागत एवं अभिनंदन किया।

पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव: आत्मा से परमात्मा बनने की प्रक्रिया

शाबाश इंडिया

पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव वास्तव में पाषाण (पत्थर) से भगवान बनाने की एक पावन क्रिया है। यह जैन धर्म एवं जैन समाज का सर्वाधिक महत्वपूर्ण नैमित्तिक महोत्सव है, जो आत्मा से परमात्मा बनने की आध्यात्मिक यात्रा को दर्शाता है। इन महोत्सवों में तीर्थंकरों एवं पौराणिक महापुरुषों के जीवन संदेश को जन-जन तक पहुँचाने के लिए विभिन्न पात्रों का अवलंबन लेकर एक आदर्श जीवन यात्रा को रेखांकित किया जाता है। जैन ग्रंथों के अनुसार, यह महोत्सव उन पाँच शुभ घटनाओं का उत्सव है, जो प्रत्येक तीर्थंकर के जीवन में घटित होती हैं:

1. गर्भ कल्याणक

जब तीर्थंकर की आत्मा माता के गर्भ में आती है, तो उस समय को गर्भ कल्याणक कहा जाता है। तीर्थंकर के आगमन से छह माह पूर्व ही प्रकृति में शुभ संकेत होने लगते हैं। तीर्थंकर की माता 16 स्वप्नों के माध्यम से भावी तीर्थंकर के आगमन और उनके महान कार्यों का संकेत प्राप्त करती हैं।

2. जन्म कल्याणक

तीर्थंकर बालक के जन्म पर संपूर्ण ब्रह्मांड में खुशियाँ मनाई जाती हैं। सौधर्म इंद्र द्वारा जन्माभिषेक की भव्य शोभायात्रा निकाली जाती है और सुमेरु पर्वत की पांडुक शिला पर 1008 कलशों से बालक का जन्माभिषेक किया जाता है।

3. तप कल्याणक

जब तीर्थंकर युवावस्था में संसार की नश्वरता को समझकर राजपाट, वैभव और घर-गृहस्थी का त्याग कर देते हैं। वे आत्म-कल्याण हेतु वन में जाकर कठिन तपस्या करते हैं और मुनि दीक्षा ग्रहण करते हैं।

4. ज्ञान कल्याणक

कठिन तप और साधना के बल पर जब तीर्थंकर को 'केवल ज्ञान' (अनंत ज्ञान) की प्राप्ति होती है, तब उसे ज्ञान कल्याणक कहा जाता है। इस अवस्था में वे समवशरण में बैठकर भव्य जीवों को धर्मोपदेश देते हैं।

5. मोक्ष कल्याणक

जब तीर्थंकर भगवान अपने नश्वर शरीर का त्याग कर और समस्त कर्मों का क्षय कर सिद्ध अवस्था प्राप्त कर लेते हैं। जन्म-मरण के चक्र से मुक्त होकर निर्वाण (मोक्ष) प्राप्त करना ही मोक्ष कल्याणक है।

जब भी नवीन मंदिरों का निर्माण होता है या प्राचीन मंदिरों में नई प्रतिमाएँ स्थापित की जाती हैं, तब उन प्रतिमाओं में देवत्व और पूज्यता स्थापित करने के लिए पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव का भव्य आयोजन किया जाता है।

'दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति' का भव्य शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न

सत्र 2026 का प्रथम मिलन समारोह 'वैलेंटाइन थीम' पर हुआ आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप 'सन्मति' का भव्य शपथ ग्रहण एवं सत्र 2026 का प्रथम मिलन समारोह 'वैलेंटाइन थीम' पर उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश (सिक्किम उच्च न्यायालय) न्यायाधिपति एन.के. जैन थे। शपथ विधि अधिकारी के रूप में दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन, इंदौर के कार्याध्यक्ष सुरेंद्र पांड्या ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष राजेश-रानी पाटनी एवं उनकी टीम को पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई।

लाइव म्यूजिक और मनोरंजन का संगम

ग्रुप संस्थापक अध्यक्ष एवं मुख्य समन्वयक राकेश-समता गोदिका के नेतृत्व में आयोजित इस समारोह में लाइव म्यूजिक के साथ मनोरंजक 'वैलेंटाइन हाउजी' का आयोजन भी किया गया। वरिष्ठ उपाध्यक्ष राकेश-रेणु संघी ने बताया कि विजेताओं को अनेक आकर्षक पुरस्कार प्रदान किए गए। गायक आदिल की रोमांटिक प्रस्तुतियों ने सभी सदस्यों को झूमने पर मजबूर कर दिया।

नूतन कार्यकारिणी का अभिनंदन

ग्रुप सचिव संजय-ज्योति छाबड़ा ने बताया कि सत्र 2026 का प्रथम गेट-टु-गेदर कार्यक्रम पत्रकार कॉलोनी स्थित सौभाग्य बैंक्वेट गार्डन में आयोजित हुआ। इस अवसर पर सभी नए सदस्यों का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। कोषाध्यक्ष कमल-मंजू ठोलिया ने जानकारी दी कि कार्यक्रम का शुभारंभ महिला सदस्यों द्वारा प्रस्तुत मंगलाचरण से हुआ।

विशिष्ट अतिथि के रूप में राजस्थान रीजन के अध्यक्ष सुनील-सुमन बज, कोषाध्यक्ष प्रमोद-सोनल जैन एवं निवर्तमान अध्यक्ष राजेश-सीमा बड़जात्या उपस्थित रहे। समारोह में निवर्तमान अध्यक्ष मनीष-शोभना लोंग्या का साफा पहनाकर भव्य स्वागत किया गया, जिन्होंने कार्यकारिणी सदस्यों को स्मृति चिह्न भेंट कर उनके सहयोग के लिए आभार जताया।

इनका रहा विशेष सहयोग

कार्यक्रम के सफल आयोजन में समन्वयक चक्रेश-पिंकी जैन, सुनील-सुनीता गोदिका, नितेश-मीनू पांड्या, राकेश-नीरा लुहाड़िया, विमल-श्रीमला लुहाड़िया और मनोज-ममता जैन शाह का विशेष योगदान रहा। संरक्षक दर्शन-विनीता बाकलीवाल, राजेश जैना गंगवाल एवं परामर्शक दिनेश-संगीता गंगवाल ने पूरी टीम का अभिनंदन किया। उपाध्यक्ष अनिल-प्रेमा रावका ने बताया कि कार्यक्रम के पुरस्कार संजय-ज्योति छाबड़ा द्वारा एवं म्यूजिकल प्रोग्राम शैलेश-रूपा पाटनी द्वारा प्रायोजित थे।

'दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति' का भव्य शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न

'दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति' का भव्य शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न